16 सितंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

शिक्षा विभाग में माफियाराज के लिए जिम्मेदार कौन!

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

बिहार में हो रहे एसआईआर में गड़बड़ी मिली, तो पूरी प्रक्रिया होगी रद्द : एससी

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में हो रहे एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को चेतावनी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि अगर उन्हें बिहार चुनाव के किसी भी चरण में निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया में कोई भी अवैधता मिलती है, तो पूरी चुनाव प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि वे बिहार में एसआईआर पर आंशिक रूप से राय नहीं दे सकते हैं, क्योंकि

उनका अंतिम फैसला पूरे देश पर लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वो बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में फैसला नहीं दे सकती क्योंकि उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में आयोजित एसआईआर पर लागू होगा। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने ये भी कहा कि वह ये मानता है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी के रूप में भारत का निर्वाचन आयोग एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर अभ्यास की वैधता पर अंतिम बहस सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सोमवार (8 सितंबर) को आदेश दिया कि बिहार में चल रहे एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आधार को बारहवें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। न्यायालय ने ये आदेश उन शिकायतों के बाद दिया, जिनमें कहा गया था कि चुनाव अधिकारी पूर्व निर्देशों के बावजूद इसे मान्यता देने से इनकार कर रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आधार को औपचारिक रूप से अपनी अनुमोदित पहचान प्रमाण सूची में शामिल करने के खिलाफ भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की आपत्तियों को खारिज कर दिया, इस बात पर जोर दिया कि हालांकि ये दस्तावेज नागरिकता स्थापित नहीं कर सकता।

देश भर में प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकते

पीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव आयोग को देश भर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाकताओं को 7 अक्तूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी बहस करने की अनुमति दे दी।

एक अन्य याचिका पर नोटिस

इस बीच शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के उस आदेश को वापस लेने की मांग वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था। 8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर इसकी वास्तविकता का पता लगा सकता है।

सहारा समूह ने गोपनीय नकद लेन देन के जरिये बेची संपत्तियां', प्रवर्तन निदेशालय का आरोप

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को आरोप लगाया कि सहारा समूह ने जनता के जमा पैसे से खरीदी गई कई संपत्तियों को गोपनीय नकद लेन देनों के जरिए बेच दिया है। विशेष पीएमएलए (धनशोधन रोकथाम अधिनियम) कोर्ट में छह सितंबर को दाखिल आरोपपत्र में ईडी ने अनिल वी.अब्राहम और जितेंद्र प्रसाद वर्मा को आरोपी बताया है, जिन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है और न्यायिक हिरासत में हैं। अब्राहम सहारा समूह की मुख्य प्रबंधन टीम के कार्यकारी निदेशक थे, जबकि वर्मा प्रोपर्टी एजेंट थे और समूह के पुराने सहयोगी रहे हैं। ईडी ने कहा कि ये दोनों अन्य लोगों के साथ मिलकर इन संपत्तियों की बिक्री के कामों में सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहे थे। जांच के दौरान पता चला कि जनता से एकत्र की गई राशि से खरीदी गई इन संपत्तियों को नकद लेन-देन के जरिये बेचा गया है। ईडी ने कहा कि अब्राहम और वर्मा ने ऐसी संपत्तियों की बिक्री की प्रक्रिया को आसान करने, तालमेल बनाने और क्रियान्वित करने में अहम योगदान दिया। धनशोधन का यह मामला सहारा समूह की संस्थाओं के खिलाफ पुलिस की ओर से दर्ज करीब 500 प्राथमिकी के बाद सामने आया है, जिनमें 'हमारा इंडिया क्रेडिक कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड' (एचआईसीसीएसएल) नाम की कंपनी भी शामिल है। पुलिस शिकायतों में आरोप है कि जमाकताओं के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई। जमा की गई पूरी राशि तय समय पर नहीं लौटाई गई, नई राशि लेने के लिए दबाव बनाया गया और समयसीमा पूरी होने पर भुगतान से इनकार किया गया।

पूर्णिया की जनसभा से 40000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का दिया सौगात

कंग्रेस-आरजेडी बिहार के सम्मान और पहचान के लिए खतरा : पीएम

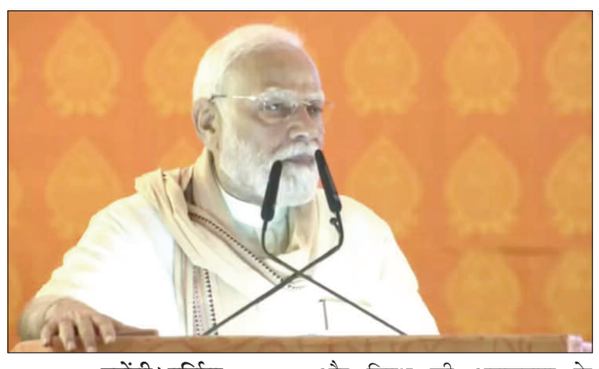

एजेंसी। पूर्णिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले देर से आए पर दुरुस्त आए। देर से आने के लिए माफी तो मांगी ही पर बिहार की झोली में सौगातों की बरसात भी की। यह दौरा उनके लिए चुनावी ही सही पर सीमांचल के विकास को गति भी दे गए। विपक्ष की असफलता पर भी साधा निशाना तो डबल इंजन की सरकार की ओर से बहाई गई विकास की गंगा को भी बताने से नहीं चुके। पीएम नरेंद्र मोदी पूर्णिया की यात्रा के साथ सीमांचल के विकास में गति लाने का जो वादा किया उसके कई आयाम का आज शिलान्यास हुआ तो कही लोकार्पण भी। आइए जानते हैं पीएम मोदी के विकास की रफ्तार और विपक्ष की असफलता के कारण..। एक भी घुसपैठिया नहीं रहेगा। उन्होंने ने पूर्णिया की धरती से घुसपैठिए को ललकारते कहा कि बिहार में एक भी घुसपैठिया नहीं रहेगा। ये कांग्रेस और राजद वाले लोग घुसपैठिए को बचाने में लगे हैं। ये लोग बेशर्मी की हद भी पार कर चुके हैं। ये राजद और कांग्रेस वाले लोग देश की सुरक्षा और सम्मान को भी दाव पर लगा दे रहे हैं। ये राजद और कांग्रेस वाले जितना कर ले पर यह मोदी की गारंटी है कि यहां जो भी घुसपैठिए हैं उन्हें बाहर जाना ही पड़ेगा। जो नेता बचाव कर रहे हैं उन्हें चुनौती दे रहूंगा कि आप घुसपैठिए को बचाने की जितनी कोशिश कर लें पर यह में होने नहीं दूंगा। ये राजद और कांग्रेस वाले लोग घुसपैठिए की ढाल बने हुए है। ये लोग चाहे जितना जोर लगा लें, लेकिन एक भी घुसपैठिए को बिहार में रहने नहीं दिया जाएगा। घुसपैठिए के सवाल पर सरकार कार्रवाई भी करेगी। और देश में इसके परिणाम अच्छे रहेंगे।

विपक्ष ने जुटाए बिहार के अपमान के साधन

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वालों के कारण बिहार के सम्मान और बिहार के पहचान की भी खतरा है। ये वही कांग्रेस है जिनके लोग बिहार की तुलना बीडी से करते हैं। बिहार की डबल इंजन की सरकार निरंतर विकास के कार्यों से बिहार को समृद्ध करने में लगी है। किसानों के हित का ख्याल रखा। आज मखाना को जीआई टैग किस सरकार की देन है। 90 दशक की सरकार के समय बिहार से बाहर मखाना के बारे में कोई जानता था क्या? लेकिन नीतीश कुमार के शासन में किसानों के आय बढ़ाने का काम किया गया। बिहार की जनता से वादा किया था कि मखाना बोर्ड का गठन करेंगे। कर दिखाया न। पर पिछली सरकार को प्रगति रास नहीं आ रही थी। तब की सरकार किसानों का शोषण किया। बिहार की मिट्टी को धोखा दिया। आज वही बिहार अफ्रीका को रेल इंजन सप्लाई कर रहा है। दरअसल पिछली सरकार को अपनी तिजोरी भरना था। इसलिए जनता के लिए क्यों सोचते? ये लोग लालटेन जला कर हाथ से पैसा बटोरने में लगे थे। इनकी चिंता में बिहार नहीं अपना परिवार का विकास था।

विकास का भी दौड़ाया पहिया

पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान विकास की गाड़ी भी कम नहीं दौड़ाई। पीएम मोदी ने पूर्णिया की जनसभा से 40000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को पूर्णिया की जनता के हवाले किया। पीएम मोदी करीब 46 करोड़ की लागत से बने पूर्णिया एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का उद्घाटन कर काफी राहत पहुंचाई। पीएम मोदी 40,000 से अधिक लाभार्थियों को पक्का घर सौंपा। पीएम मोदी अररिया-गलगलिया रेलखंड पर ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर जनता का भरोसा रखा। जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस, सहरसा-छेहरटा (अमृतसर) अमृत भारत एक्सप्रेस और अमृत भारत एक्सप्रेस को भी रवाना किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने पूर्णिया दौरे पर बिहार को कई बड़ी सौगातें दीं। उन्होंने अपने दौरे को केवल चुनावी नहीं, बल्कि सीमांचल क्षेत्र के विकास को गति देने वाला बताया। उन्होंने विपक्ष की आलोचना की और डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर जोर दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज धर्म का पहिया घुमाते आधी आबादी का भी ख्याल रखा। दिवाली,छठ के पहले पीएम मोदी ने जीएसटी कम करने की बात कर आधी आबादी पर भी निशाना साधा। पीएम ने इस दौरान घोषणा भी की रसोई में इस्तेमाल होने वाले सामान पर जीएसटी कम करने की बात की। इस से महिलाओं के पर्स का बोझ हल्का होगा मसाले, सर्फ,साबुन,मंजन,पेस्ट आदि सस्ते होंगे।

सभी राज्यों में बनें महिलाओं की विधायी समितियां : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद और राज्य विधानसभाओं की महिला सशक्तिकरण समितियों के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन समारोह में ओम बिरला ने कई विधानसभाओं में महिला सशक्तीकरण समितियों के गठन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुल 29 राज्यों में से केवल 16 राज्यों में महिला सशक्तीकरण पर विधायी समितियां हैं। उन्होंने कहा कि बजटीय आवंटन में लैंगिक जवाबदेही जैसे मुद्दों के समाधान के लिए सभी राज्यों में महिला सशक्तीकरण पर विधायी समितियां गठित करने की जरूरत है। संसद और राज्य विधानसभाओं की महिला सशक्तिकरण समितियों के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन समारोह में ओम बिरला ने कई

विधानसभाओं में महिला सशक्तीकरण समितियों के अभाव पर चिंता जताई। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मैं विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों को पत्र लिखूंगा कि वे महिला एवं बाल विकास के सशक्तीकरण पर विधायी समितियां गठित करें। कुल 29 राज्यों में से केवल 16 राज्यों में महिला सशक्तीकरण पर विधायी समितियां हैं और शेष राज्यों के लिए ऐसी समितियों का गठन करना आवश्यक है, ताकि वे संबंधित विधानसभाओं और राज्य सरकारों को महिलाओं के मुद्दों पर सुझाव दे सकें। बिरला ने कहा कि हम लखनऊ में आगामी अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। जिस प्रकार लोक लेखा समिति वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करती है, उसी प्रकार महिला सशक्तीकरण समितियां भी बजटीय आवंटन में लैंगिक जवाबदेही सुनिश्चित कर सकती हैं। एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है जहां एक युवा महिला बिना किसी डर के शिक्षा प्राप्त करने, नौकरशाही बाधाओं के बिना व्यवसाय शुरू करने और बिना किसी पूर्वाग्रह के नेतृत्व करने का सपना देख सके।

सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के धौला कुंआ में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने एक मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वित्त मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह की मौत हो गई। घटना के समय बाइक पर धौला कुआं से दिल्ली कैंट की तरफ रिंग रोड से जा रहे थे। बाइक पर 52 वर्षीय नवजोत के साथ उनकी पत्नी संदीप भी बैठी थीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नवजोत उछल कर दूर जा कर गिरे। हादसे में नवजोत की पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार नवजोत सिंह गुरुद्वारा बंगला साहिब से अपनी पत्नी के साथ घर लौट रहे थे। हादसे के बारे में नवजोत सिंह के बेटे नवनूर सिंह ने बताया कि मम्मी-पापा बाइक से बंगाल साहिब दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद दोनों ने कर्नाटक भवन में डिनर किया था। इसके बाद वो हरी नगर स्थित अपने घर के लिए निकल लौट रहे थे। जैसे ही वह धौला कुंआ में पिलर नंबर 67 के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। नवनूर के अनुसार उनकी मम्मी ने मैसेज कर बंगला साहिब जाने की जानकारी दी थी। रिपोर्ट के अनुसार हादसे के बाद कार सवार महिला गगनदीप और उसके पति बाइक सवार नवजोत सिंह और उनकी पत्नी को लेकर करीब 19 किलोमीटर दूर प्राइवेट अस्पताल लेकर गए।

एक अक्टूबर से प्रभावी होगा नया नियम, यह आईआरसीटीसी की वेबसाइट व मोबाइल एप पर होगा लागू

अब आधार वेरिफिकेशन वाले यात्री ही कर सकेंगे टिकट बुकिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे 1 अक्तूबर से ऑनलाइन टिकट सिस्टम में एक अहम बदलाव किया है। नए नियम के अनुसार, 1 अक्तूबर 2025 से रिजर्वेशन खुलने के बाद पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे जिनका आधार वेरिफिकेशन हुआ है। रेलवे का यह नया नियम आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल एप दोनों पर लागू होगा।दरअसल, भारतीय रेलवे के इस नियम को लागू करने

के पीछे का मकसद टिकट बुकिंग की रेस में असल यात्रियों को पहली प्राथमिकता प्रदान करना है। क्योंकि अक्सर देखा गया है कि टिकट बुकिंग की प्रक्रिया शुरू होते ही एजेंट या दलाल कुछ सॉफ्टवेयर की मदद से सीटें पहले ही टिकट बुक कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को कंफर्म सीट नहीं मिल पाती थी। हालांकि रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर पर टिकट बुकिंग की टाइमिंग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे इन मामले में सेंटर फॉर रेलवे इनफार्मेशन सिस्टम्स और आईआरसीटीसी को तकनीकी बदलाव करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा यात्रियों को इस बदले हुए नियम की जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया के जरिए जागरूकता अभियान शुरू किया है। मंत्रालय ने इस फैसले का सर्कुलर सभी डिवीजन को भी भेज दिया है।अभी सामान्य रिजर्वेशन के लिए बुकिंग रोजाना आधी रात 12.20 बजे से शुरू होती है और रात 11.45 बजे तक चलती है। सामान्य टिकटों के लिए एडवांस बुकिंग यात्रा की तारीख से 60 दिन पहले खुलती है। इससे पहले भारतीय रेलवे ने इस साल जुलाई में ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य कर दिया था।

डुमरांव नगर परिषद में नये कार्यपालक पदाधिकारी ने ग्रहण किया पदभार

- बोले नये ईओ राहुलधर दूबे शहर की रैंकिंग सुधारना प्राथमिकता, नालियों व शौचालयों की होगी जल्द मरम्मत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के नये ईओ राहुलधर दूबे ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। डुमरांव नप के विकास की जिम्मेदारी संभालने वाले नवनियुक्त कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दूबे ने पदभार ग्रहण करते ही साफ संकेत दे दिए हैं कि नगर की बुनियादी समस्याओं के समाधान में अब कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर

की स्वच्छता, नालियों की व्यवस्था, गली-मोहल्लों की सफाई तथा सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उक्त बातें नप के ईओ राहुलधर दूबे ने नप ईओ का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में कही।

नए ईओ ने कहा कि नगर के जिन शौचालयों की स्थिति खराब है, उनकी मरम्मत कराई जाएगी। साथ ही बंद नालियों को खोलने तथा गली-कूचों की सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस दिशा में विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उनका कहना था कि डुमरांव शहर की रैंकिंग सुधारने के लिए ठोस कदम उठाना बेहद जरूरी है और इस दिशा में नगर परिषद पूरी ईमानदारी से कार्य करेगा।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का मिला समर्थन

ईओ राहुलधर दूबे के पदभार ग्रहण के मौके पर नगर के कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत किया और उम्मीद जताई कि उनकी तैनाती से नगर में विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ेगी। नए ईओ ने भी भरोसा दिलाया कि शहर के हर मोहल्ले में विकास की रोशनी पहुंचेगी और स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

विकास की नई उम्मीद

नगर परिषद में नए ईओ के आगमन से स्थानीय लोगों के बीच एक नई उम्मीद जगी है। लोगों का कहना है कि अब तक नगर परिषद की कार्यशैली से असंतोष रहा है, लेकिन नए पदाधिकारी के सक्रिय रवैये से नगर की तस्वीर बदलेगी। राहुल दूबे ने स्पष्ट कहा कि ह्यहमैं यहां रहूंगा तो सही कार्य कराने वाले संवेदकों और नागरिकों को कभी परेशानी नहीं होगी, लेकिन लापरवाहों पर कार्रवाई तय है। डुमरांव नगर परिषद को नया कार्यपालक पदाधिकारी मिल गया है, जिसने पदभार ग्रहण करते ही अपनी कार्ययोजना और प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। अब देखना यह है कि उनके नेतृत्व में शहर की स्वच्छता और विकास की राह कितनी तेज रफ्तार पकड़ती है।

जनता के दिलों में गहरी छाप छोड़ गए नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार

केटी न्यूज/डुमरांव

कभी सख्त कार्रवाई से अपराधियों की नींद हराम करने वाले और कभी आम जनता के साथ दोस्ताना व्यवहार से भरोसा कायम करने वाले दारोगा मनीष कुमार अब रोहतास जिले के कच्छवा थाना की कमान संभालेंगे। 2018 बैच के इस तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी ने डुमरांव के नया भोजपुर थाना में रहते हुए जो कामयाबियां हासिल कीं, उसने उन्हें न सिर्फ पुलिस महकमे में बल्कि आम लोगों के बीच भी अलग पहचान दिलाई।नया भोजपुर में उनके कार्यकाल के दौरान पुलिस की सख्ती और तत्परता अक्सर सुर्खियों में रही। दर्जनों ट्रकों से अवैध शराब की खेप जब्त करने से लेकर कई कुख्यात अपराधियों पर शिकंजा कसने तक, हर मोर्चे पर उन्होंने कड़ा संदेश दिया कि कानून से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। उनकी अगुवाई में चंदा गांव की मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा कर 40 से अधिक अवैध हथियार बरामद करना जिले की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। यह ऑपरेशन उनकी कार्यकुशलता का ऐसा उदाहरण बना, जिसकी चर्चा आज भी लोग करते हैं। लेकिन, मनीष कुमार को सिर्फ उनकी सख्ती के लिए याद नहीं किया जाता।

मूर्ति निर्माण से लेकर विसर्जन तक नियमों का सख्ती से होगा पालन : जिलाधिकारी

- जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों व पूजा समितियों को जारी किया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

त्योहारों के मौके पर मूर्तियों के निर्माण और विसर्जन के दौरान प्रदूषण और अव्यवस्था पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना के निर्देशों के आलोक में बिहार पूजा के उपरांत मूर्ति विसर्जन प्रक्रिया नियमावली 2021 तथा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2016 (संशोधित) का अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार की अधिसूचना के अनुसार 1 जुलाई 2022 से पूरे राज्य में पोलीस्टाइरीन और विस्तारित पोलीस्टाइरीन सहित कई एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं का निर्माण, आयात, भंडारण, बिक्री और उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसमें ईयरबड्स, गुब्बारे की डंडिया, प्लास्टिक झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम की डंडी,

थर्मोकोल की सजावट सामग्री, प्लास्टिक की प्लेटें, गिलास, स्ट्रॉ, कटलरी, मिठाई के डिब्बे की पैकिंग फिल्में और 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले बैनर शामिल हैं।

डीएम ने थानाध्यक्षों, अंचल अधिकारियों, बीडीओ, नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों और अनुमंडल स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि मूर्ति निर्माण और पंडाल सजावट में इन प्रतिबंधित वस्तुओं का इस्तेमाल हर हाल में रोका जाए।

सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल विसर्जन पर जोर

डीएम ने स्पष्ट किया है कि पूजा समितियों द्वारा सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल मूर्ति विसर्जन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, नई दिल्ली द्वारा बनाए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराना स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। जिला प्रशासन का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर पूजा समितियों और संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मिट्टी, बांस और प्राकृतिक रंगों से ही बनेगी मूर्ति

मूर्ति निर्माण को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नियमावली 2021 के अनुसार मूर्तियां पारंपरिक मिट्टी, बांस और प्राकृतिक सामग्री से ही बनाई जाएंगी। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और जहरीले रासायनिक रंगों का प्रयोग पूरी तरह वर्जित है। मूर्तियों की ऊंचाई 20 फीट और ऊपरी संरचना की ऊंचाई 40 फीट से अधिक नहीं होगी। पूजा सामग्री और प्लास्टिक सजावट को विसर्जन से पहले अलग किया जाएगा और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के तहत निपटान होगा।

पूजा समितियों से लिया जाएगा घोषणा पत्र

जिला प्रशासन ने सभी पूजा समितियों को अनिवार्य किया है कि वे लिखित घोषणा पत्र दें, जिसमें यह उल्लेख होगा कि मूर्तियों और पंडालों के निर्माण में न तो पीओपी का इस्तेमाल हुआ है और न ही जहरीले रासायनिक रंगों का। साथ ही मूर्ति और ऊपरी ढांचे की ऊंचाई निर्धारित सीमा से अधिक नहीं है। अधिकारियों को आदेश है कि औचक निरीक्षण कर पूजा समितियों की घोषणाओं का भौतिक सत्यापन करें और उल्लंघन की स्थिति में रिपोर्ट जिला पदाधिकारी को भेजें।

कृत्रिम तालाबों में ही होगा विसर्जन

नियमावली के तहत इस बार मूर्तियों का विसर्जन केवल कृत्रिम तालाबों में ही होगा। बीडीओ, नगर निकाय और अनुमंडल स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कृत्रिम तालाब बनवाएं और पूजा समितियों को उनसे टैग करें। भीड़-भाड़ से बचने और प्रदूषण कम करने के लिए विसर्जन से पूर्व जन-जागरूकता अभियान चलाने का आदेश भी दिया गया है।

ठोस कचरे के निपटान की विशेष व्यवस्था

मूर्ति विसर्जन के दौरान फूल, कपड़ा और अन्य सजावटी सामग्री जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इन सामग्रियों को अलग एकत्र कर निर्धारित संग्रह स्थल तक पहुंचाया जाएगा। जैविक सामग्री को खाद और अन्य उपयोगों के लिए सुरक्षित किया जाएगा। निर्देश के अनुसार, मूर्ति विसर्जन के 48 घंटे के भीतर कृत्रिम तालाबों और विसर्जन स्थलों से शेष सामग्री का निपटान अनिवार्य रूप से करना होगा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

युवा सपनों का अंत, भर्ती की तैयारी कर रहे चुनु चौबे की दौड़ के दौरान मौत

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरौली गाँव में सोमवार की सुबह उस वक्त माहौल गमगीन हो गया, जब सेना व पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे 24 वर्षीय युवक चुनु चौबे की अचानक मौत हो गई। गाँव के सरस्वती विद्या मंदिर मैदान से लेकर दलसागर खेल मैदान तक रोजाना अभ्यास करने वाले चुनु के सपनों का अंत दौड़ के दौरान ही हो गया। जानकारी के अनुसार, चुनु चौबे, पिता ऋषिकेश चौबे, अहिरौली निवासी, सोमवार की सुबह दौड़ लगाते समय अचानक मैदान में गिर पड़ा। साथियों और छोटे भाई ने आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुँचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों का कहना है कि उसकी मौत हृदयाघात से हुई है। चुनु का सपना सेना में भर्ती होकर देशसेवा करना था। वह हाल ही में बिहार पुलिस की लिखित परीक्षा पास कर चुका था और अगले चरण की तैयारी में जुटा था। ग्रामीणों ने बताया कि वह तीन भाइयों में माझिल था। बड़ा भाई सीआईएसएफ में कार्यरत है, जबकि छोटा भाई उसके साथ ही अभ्यास करता था। गांव के लोग चुनु को मिलनसार और हँसमुख स्वभाव का बताते हैं। उसकी अकाल मौत से गाँव ही नहीं, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार की खुशियाँ मातम में बदल गईं। जो बेटा घर और समाज की उम्मीदों का सहारा माना जा रहा था, उसकी चिता की तैयारी ने सभी को भीतर तक झकझोर दिया।

सड़क निर्माण को लेकर उपजा विवाद, गोली चलने से क्षेत्र में दहशत

केटी न्यूज/बक्सर

औद्योगिक थाना क्षेत्र के सारीमपुर मोहल्ले में रविवार को सड़क निर्माण कार्य अचानक तनाव और हिंसा का कारण बन गया। आपसी रंजिश के चलते हुए विवाद ने तब खतरनाक मोड़ ले लिया जब कहासुनी के बीच फायरिंग हो गई। गोली चलने की आवाज से पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई और लोग दहशत में अपने घरों में दुबक गए। जानकारी के अनुसार, मोहल्ले में पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान स्थानीय निवासी मुन्ना यादव के परिजनों ने काम रोकने की कोशिश की। उनका तर्क था कि परिवार में जमीन बंटवारे का मामला अभी सुलझा नहीं है, इसलिए निर्माण कार्य तब तक रोक देना चाहिए।

दूसरी ओर, ठेकेदार सोनू यादव निर्माण कार्य कराने पर अड़ा हुआ था। इसी बात पर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी और फिर हाथापाई शुरू हो गई। तनाव बढ़ने पर सोनू यादव की ओर से फायरिंग की गई। हालांकि गोली से किसी को सीधी चोट नहीं लगी, लेकिन अफरा-तफरी में ईंट लगने से मुन्ना यादव की पत्नी घायल हो गईं। घटना के बाद आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से बाइक और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। फायरिंग की इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है। फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से चल रहे पारिवारिक विवाद ने आखिरकार हिंसक रूप ले लिया है, जिससे विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। वहीं प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सड़क निर्माण कार्य किसी भी हाल में रुकने नहीं दिया जाएगा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

भाजपा में डुमरांव के कार्यकर्ताओं को मिली अहम जिम्मेदारियां

- पुराना भोजपुर में सम्मान समारोह, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह और सौहार्द

केटी न्यूज/डुमरांव

भारतीय जनता पार्टी की नई संगठनात्मक नियुक्तियों ने डुमरांव नगर के कार्यकताओं में जोश और उत्साह का संचार कर दिया है। रविवार को नगर के पुराना भोजपुर में नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। हाल ही में पार्टी द्वारा जारी पदाधिकारी सूची में डुमरांव से कई कार्यकताओं को नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं। इस अवसर पर कार्यकताओं और समर्थकों ने अपने नेताओं का फूल-मालाओं और अंगवस्त्र से जोरदार स्वागत किया।

मिली जानकारी के अनुसार रोहित सिंह को भाजपा क्रीड़ा मंच का

जिला संयोजक बनाया गया है। इसके साथ ही शिवजी शर्मा और संटू मित्रा को जिला प्रवक्ता तथा राजा यादव को जिला कार्यसमिति सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, बजरंग दल के डुमरांव प्रखंड संयोजक का दायित्व राहुल सूर्यवंशी को दिया गया है। इन नियुक्तियों ने न सिर्फ पार्टी कार्यकताओं में ऊर्जा जगाई, बल्कि संगठन की मजबूती को लेकर नई उम्मीदें भी पैदा की हैं।

सम्मान समारोह का संचालन दीपक यादव ने किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि ये सम्मान केवल पदाधिकारियों का नहीं, बल्कि पूरे संगठन की वर्षों की मेहनत और जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और परिश्रम के साथ निभाएंगे और संगठन को नई दिशा देंगे।

अपने संबोधन में रोहित सिंह ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उसे पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने युवाओं को क्रीड़ा मंच से जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, शिवजी शर्मा और संटू मित्रा ने कहा कि वे जनता की आवाज को मजबूती से पार्टी तक पहुंचाने का काम करेंगे।

मौके पर भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष चुनमुन प्रसाद वर्मा, अभिषेक रंजन, मुखिया सिंह कुशवाहा, लालजी केशरी, राजू सिंह, मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और सौहार्द का माहौल बना रहा।

शिक्षा विभाग में माफियाराज के लिए जिम्मेदार कौन !

तस्वीरों में देखें अजय व अरविन्द सिंह के साथ पदाधिकारियों लिपिकों का हाल-ए-मोहब्बत...

जिले के शिक्षा विभाग में पिछले एक दशक से माफियाराज चरम पर है। कई अधिकारी दहशत में है तो कई माफियाओं के साथ मलाई खा रहे है। वहीं लिपिक शिक्षा विभाग में चल रहे माफिराज के अहम कड़ी है। उनकी हाल-ए-मोहब्बत इन तस्वीरों में देखी जा सकती है कि आस्था की डुबकी से लेकर शादी-विदाई सब में हिस्सेदारी की मलाई खा रहे है... तस्वीर 1- शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह के साथ डीपीओ नाजीश अली 2- शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह व अजय सिंह के साथ बीच में लिपिक हिमाद्री 3- शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह व अजय सिंह के साथ पूर्व लिपिक अमलेश कुमार, 4- शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह व अजय सिंह के साथ आस्था की डुबकी लगाते लिपिक हिमाद्रि, अशोक व अन्य, 5 शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह व अजय सिंह के साथ लिपिक हिमाद्रि, आशीष कुमार सहित अन्य, 6- डीईओ अनिल द्विवेदी की विदाई समारोह में शामिल शिक्षा माफिया अरविन्द सिंह व अजय सिंह ।

सभी तस्वीरें सोशल मिडिया के माध्यम से ली गई

रघुनाथपुर स्टेशन पर ट्रेनों की ठहराव और सुविधाओं की मांग तेज

- 43 मिनट रेल-चक्का जाम के बाद यात्रियों की आवाज गूंजी, बोले आंदोलनकारी अब वादों से नहीं चलेगा काम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं की कमी और एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर सोमवार की सुबह रेल यात्री कल्याण समिति के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीणों ने रेल चक्का जाम कर दिया। करीब 43 मिनट तक अप लाइन पर परिचालन बाधित रहा। इस दौरान 13209 पैसेंजर ट्रेन और उसके पीछे खड़ी कई एक्सप्रेस गाड़ियां थम गईं। यात्रियों को असुविधा जरूर हुई, लेकिन आंदोलनकारियों का कहना था कि यह तकलीफ दशकों से हो रही उपेक्षा की तुलना में कुछ भी नहीं है।

डीआरएम से टेलीफोनिक वार्ता, तब जाकर खुला रास्ता

सुबह से ही समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर पाठक और संयोजक नागेंद्र मोहन सिंह, प्रभु मिश्रा व सोनू दुबे के नेतृत्व में ग्रामीण स्टेशन परिसर में जुट गए थे। हाथों में तख्तियां लिए लोग रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। मौके पर भारी पुलिस बल और आरपीएफ की तैनाती रही। आंदोलनकारियों से डीआरएम की टेलीफोनिक बातचीत कराई गई, तब जाकर भीड़ अप लाइन से हटी और परिचालन सामान्य हो सका।

ठहराव ही नहीं, स्टेशन की हालत भी चिंता का विषय

समिति की प्रमुख मांग है कि रघुनाथपुर स्टेशन पर श्रमजीवी एक्सप्रेस, पंजाब मेल और बनारस जनशताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। यात्रियों का कहना है कि रोज हजारों लोग इस स्टेशन से यात्रा करते हैं, लेकिन एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव न होने से उन्हें बक्सर, आरा या बक्सर रोड जैसे बड़े स्टेशनों तक जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बबार्दी होती है। ठहराव के अलावा स्टेशन की जर्जर स्थिति भी लोगों के गुस्से की वजह है। यहां न साफ-सफाई की व्यवस्था है, न ढंग का प्रतीक्षालय और न ही शुद्ध पेयजल। टिकट काउंटर पर भी अव्यवस्था का आलम हैकृजनरल और तत्काल टिकट एक ही खिड़की से मिलने के कारण रोजाना अफरा-तफरी का माहौल रहता है। यात्रियों ने आरोप लगाया कि ष्अमृत भारत योजनाष् के तहत विकास कार्य समय से पूरे नहीं हो पा रहे हैं और सारी योजनाएं कागजों में अटकी पड़ी हैं।

वादों की याद दिलाई, संवेदनशीलता भूला प्रशासन

आंदोलन के दौरान समिति के सदस्य मनीष भारद्वाज ने याद दिलाया कि डेढ़ साल पहले जब नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, तब रघुनाथपुर और आसपास के ग्रामीण ही यात्रियों के लिए सबसे पहले राहत बनकर सामने आए थे। लोगों ने भोजन, पानी, दवा और वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाने तक का जिम्मा उठाया था। उस समय रेलवे अधिकारियों ने ग्रामीणों को कर्मवीर और देवपुरुष कहकर सम्मानित किया और ठहराव व सुविधाओं का वादा किया था। मगर आज, डेढ़ साल बाद भी उस वादे की कोई सुध नहीं ली गई। ग्रामीणों का कहना है कि अफसरों के लिए वादा निभाना मानो ष्टेप रिकॉर्डर की रटष् बन चुका है कि ज्ञापन मिला है, कार्रवाई होगी, इंतजार कीजिए। इसी रवैये ने आंदोलन को जन्म दिया है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर नाराजगी

सबसे बड़ी हैरानी की बात यह रही कि इतने बड़े आंदोलन के बावजूद स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन पूरी तरह नदारद रहे। ग्रामीणों ने नाराजगी जताई कि चुनाव के वक्त नेता हर गली-मोहल्ले तक पहुंच जाते हैं, लेकिन अब हजारों लोगों की आवाज पर भी वे चुप्पी साधे बैठे हैं।

आंदोलन सिर्फ ठहराव नहीं, जनआक्रोश का प्रतीक

रेल यात्री कल्याण समिति ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ठहराव और सुविधाओं की मांग पूरी नहीं की गई तो आंदोलन और बड़े स्तर पर होगा। इस बार का रेल रोको केवल ट्रेन ठहराव की लड़ाई नहीं था, बल्कि यह उपेक्षा, वादाखिलाफी और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ जनआक्रोश का प्रतीक बन चुका है। ग्रामीणों का संदेश साफ है कि अब वे आधे-अधूरे भरोसों से संतुष्ट नहीं होंगे। गेंद रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के पाले में है। यदि आवाज को फिर अनसुना किया गया तो आने वाले दिनों में रघुनाथपुर से उठने वाली यह चिंगारी बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

डुमरांव नगर परिषद ने शुरू की आवास योजना, 350 परिवारों को मिलेगा लाभ

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद ने शहर के बेघर और वंचित परिवारों के लिए खुशखबरी दी है। ऐसे परिवार जिन्हें अब तक पक्के मकान का सपना भी पूरा नहीं हो सका था, उन्हें अब आवास योजना के तहत पक्का घर बनाने का अवसर मिलेगा। नगर परिषद द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल 350 लाभुकों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। नगर सिटी प्रबंधक एस. सिन्हा ने जानकारी दी कि सोमवार को वार्ड एक की प्रमिला देवी, गीता देवी, कल्पवती देवी और मुनी देवी को योजना का पहला लाभ दिया गया। इन सभी को पहली किस्त के रूप में एक लाख रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई। इस अवसर पर लाभुकों को बुलाकर उन्हें कार्यादेश भी सौंपा गया, ताकि वे घर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकें। इसी तरह अन्य लाभार्थियों को भी कार्यादेश उनके-अपने वार्ड पार्षदों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के तहत प्रत्येक चयनित परिवार को कुल ढाई लाख रुपये की सहायता दी जाती है। इसमें पहली और दूसरी किस्त में एक-एक लाख रुपये और तीसरी किस्त में 50 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में भेजे जाते हैं।नगर परिषद ने स्पष्ट किया कि इस योजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है, जिनके पास अब तक स्थायी छत नहीं थी। बेघर परिवारों को चयनित कर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत राशि हस्तांतरित की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में भी पात्र परिवारों को चिन्हित कर उन्हें योजना से जोड़ा जाएगा, ताकि शहर में कोई भी परिवार खुले आसमान तले रात न बिताए। इस पहल से नगर के गरीब परिवारों में उत्साह है और लोग अब अपने घर के सपने को हकीकत में बदलते देख रहे हैं।

सेवा पखवाड़ा सह सम्पर्क अभियान की तैयारी तेज, कार्यशाला में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

केटी न्यूज/सिमरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से लेकर गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक चलने वाले भाजपा के सेवा पखवाड़ा सह सम्पर्क अभियान को लेकर सिमरी में कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ गई है। इसी क्रम में रविवार को पड़री पंचायत के नगवां स्थित काली मंदिर परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह "त्यागी" ने की। इसमें मंडल प्रभारी भूटेली तिवारी, विधानसभा सह संयोजक जितेन्द्र दूबे, जिला प्रवक्ता अनु तिवारी, वरिष्ठ नेता बुआ तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष आशुतोष तिवारी और किसान मोर्चा अध्यक्ष नमो नारायण दूबे सहित कई नेताओं ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। नेताओं ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के दौरान भाजपा स्वास्थ्य शिविर, प्रदर्शनी, जीएसटी जागरूकता कार्यक्रम, पौधरोपण अभियान (एक पेड़ मां के नाम) और विशेष सम्मान समारोह आयोजित करेगी। इस दौरान बूथ स्तर तक कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पा सकें। कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि सेवा और सम्पर्क ही भाजपा की असली पहचान है। पार्टी का उद्देश्य सिर्फ राजनीति करना नहीं, बल्कि समाज की सेवा करना है। इसी भावना के साथ यह अभियान गांधी जयंती तक जारी रहेगा। इस मौके पर दयाशंकर राय, गणेश सिंह, दिनेश तिवारी, कृष्णा देवी, कन्हैया तिवारी, ओमप्रकाश पांडे, भृगुनाथ सिंह, प्रमोद उपाध्याय, सुभाष सिंह, पंकज दुबे, धीरज सिंह, सूरज कुमार, विजय बिन, गोपाल जी दुबे, कृष्ण बिहारी दुबे, रमाकांत दुबे, अजय दुबे, मिथिलेश दुबे, प्रेम प्रकाश गुप्ता, प्रेम प्रकाश मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डुमरांव में मनाई गई संविधान निर्मात्री समिति के सदस्य की जयंति

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के एक निजी सभागार में सोमवार को संविधान निर्मात्री समिति के अहम सदस्य रहे स्व. डॉ. रत्नप्पा भरप्पा की 116वीं जयंति धूम-धाम से मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता भागीदारी पार्टी (पी) के जिलाध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद प्रजापति ने तथा मंच संचालन डुमरांव विस क्षेत्र के भावी प्रत्याशी डॉ. रविशंकर प्रसाद ने किया। वक्ताओं ने इस दौरान स्व. भरप्पा के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा कहा कि वे संविधान निर्मात्री समिति के अहम सदस्य थे। वक्ताओं ने कहा कि स्व. भरप्पा संविधान निर्माण के साथ ही देश के स्वतंत्रता संग्राम में भी सक्रिय थे। उनके अंदर राष्ट्रीयता की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। वक्ताओं ने उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया और कहा कि उनके सिद्धांतो पर चलकर ही समाज में समरसता तथा युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना भरी जा सकती है। मौके पर भागीदारी पार्टी (पी) के बक्सर विधानसभा अध्यक्ष मनोज कुमार प्रजापति, ब्रह्मपुर विधानसभा अध्यक्ष अवधेश प्रसाद प्रजापति, डुमरांव प्रखंड अध्यक्ष गुड्डु कुमार प्रजापति, चौगाई प्रखंड अध्यक्ष निशा प्रजापति, नावानगर प्रखंड अध्यक्ष गोविंद पंडित, डॉ. संजय कुमार प्रजापति, नगर सचिव अर्जुन प्रजापति, नंदजी प्रजापति, दीपक प्रजापति समेत कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

डुमरांव में सरेआम गुंडई, युवक की बाइक रूकवा की पिटाई, पिस्टल तान जान मारने की दी धमकी

- स्टेशन रोड स्थित पुराने नगर परिषद कार्यालय के सामने की है घटना, पीड़ित ने पुलिस को आवेदन दे लगाई गुहार, सौंपा सीसीटीवी फुटेज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में सरेआम एक युवक की बाइक रूकवा पिटाई करने तथा पिस्टल तान जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि एक बाइक सवार उक्त युवक की बाइक को रूकवा अचानक थप्पड़ से हमला कर देता है तथा पिटने के बाद कमर से पिस्टल निकाल उस पर तान देता है। इस मामले में पीड़ित स्थानीय थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव निवासी राहुल कुमार चौबे पिता स्व. भागीरथी चौबे ने स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दे न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने जिक्र किया है कि मैं उक्त हमलावर को पहचानता नहीं हूं तथा मेरी किसी से दुश्मनी नहीं है। पीड़ित का कहना है कि वह कर्मकांड तथा पूजा-पाठ कर अपनी आजीविका चलता है। आरोपित ने मारपीट करने के साथ जातिसूचक शब्द भी कहे है। पीड़ित ने आवेदन के साथ ही साक्ष्य के तौर पर पुलिस को सीसीटीवी का वीडियो भी दिया है। वहीं, दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो रहे है। जबकि, घटना के बाद से पीड़ित काफी डरा-सहमा है। इस संबंध में डुमरांव थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने बताया कि युवक का आवेदन व सीसीटीवी वीडियो मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

डुमरांव में गहराया बिजली संकट, तकनीकी खामी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

- दो दिनों से ठप बिजली आपूर्ति, लो वोल्टेज ने बढ़ाई परेशानी, मरम्मत में जुटी एमआरटी टीम
- आंदोलन के बावजूद सोमवार को बीएमपी फीडर में पूरे दिन गायब रही बिजली

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर और आसपास के क्षेत्रों में बीते दो दिनों से बिजली संकट गहराता जा रहा है। रविवार से शुरू हुई अनियमित बिजली आपूर्ति और लो वोल्टेज की समस्या ने सोमवार को भी उपभोक्ताओं को चैन से बैठने नहीं दिया। न तो घरेलू उपकरण ठीक से चल पा रहे हैं और न ही कारोबार सुचारू हो पा रहा है। वहीं, छात्रों की पढ़ाई और आमजन का दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार, डुमरांव स्थित बीएमपी-4 पीएसएस विद्युत कार्यालय में अचानक तकनीकी खामी आने से यह समस्या उत्पन्न हुई। 11 केवीए के वीसीबी नंबर-1 और एसएसटी पैनल में खराबी आ जाने के कारण छठिया पोखरा फीडर, बीएमपी 4 कैंपस, कोरानसराय, एसएसटी तथा नंदन ग्रामीण फीडर से जुड़े हजारों उपभोक्ता प्रभावित हो गए। रविवार को जहां कई मोहल्लों में लो वोल्टेज की शिकायतें दर्ज हुईं, वहीं सोमवार को कई क्षेत्रों में घंटों तक बिजली गुल रही। बिजली संकट गहराने पर उपभोक्ताओं ने दिनभर विद्युत विभाग से संपर्क साधने की कोशिश की। सहायक विद्युत अभियंता आरके दुबे और कोरानसराय एईई अर्जुन वर्मा ने तकनीकी टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया और समस्या की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। स्थानीय तकनीशियनों ने खामी को दूर करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थिति को देखते हुए विद्युत विभाग ने आरा से एमआरटी (मेंटेनेंस एंड रिपेयर टीम) को बुलाया। सोमवार दोपहर तक एमआरटी टीम डुमरांव पहुंच चुकी थी और पैनल की मरम्मत में जुट गई। अधिकारियों का कहना है कि खामी जटिल है और उसे दूर करने में समय लग रहा है, लेकिन पूरी टीम लगातार काम कर रही है।

उपभोक्ताओं में गहराया आक्रोश

लगातार बिजली संकट और लो वोल्टेज से परेशान उपभोक्ताओं ने कहा कि बिना बिजली के उनकी दिनचर्या पूरी तरह बिगड़ गई है। पंखे और कूलर बंद रहने से गर्मी असहनीय हो गई है, वहीं पानी की किल्लत ने स्थिति और दयनीय कर दी। छात्रों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ा है और छोटे व्यापारियों का कामकाज ठप हो गया है। लोगों ने विभाग से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की। गौरतलब हो कि बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए ही डुमरांव के युवाओं ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल किया था, दो दिन पूर्व ही यह भूख हड़ताल अधिकारियों के आश्वासन पर टूटा था, बावजूद आपूर्ति दुरूस्त होने के बजाए और लचर हो गई। जिससे शहरवासी ठगा महसूस कर रहे है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी गड़बड़ी को पूरी तरह दूर करने में कुछ और घंटे लग सकते हैं। मरम्मत कार्य तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि देर रात तक बिजली आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। फिलहाल उपभोक्ता बिजली संकट से जूझते हुए विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

आगामी दुगार्पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर हुई बैठक आयोजित

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन के नेतृत्व में शांति समिति की हुई बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी दुगार्पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष ललन कुमार, प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह, बीडीओ अमित प्रताप सिंह, ईओ जमाल अख्तर अंसारी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में नगर क्षेत्र एवं ग्रामीण इलाकों से जुड़े पूजा समिति के अध्यक्ष,सदस्य तथा शांति समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में अपनी-अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे । प्रशासनिक अधिकारियों ने

लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए इस मौके पर प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह उर्फ लाली,प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित प्रताप सिंह,नगर कार्यपालक पदाधिकारी जमाल अख्तर अंसारी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुगार्पूजा पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पूजा समितियों से आग्रह किया कि वे निर्धारित समय और दिशा- निर्देशों के तहत ही कार्यक्रम संचालित करें,ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाएगी तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाएगी । अधिकारियों ने भी सभी लोगों से आपसी सहयोग, भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील की । प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह ने कहा कि दुगार्पूजा क्षेत्र की आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। ऐसे में इसे शांति और अनुशासन के साथ मनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर ईओ ने साफ-सफाई,प्रकाश और अन्य नगर परिषद से जुड़ी व्यवस्थाओं पर जानकारी दी। बैठक में शिवपुर मुखिया श्वेता सिंह, पूर्व सभापति रब नवाज राजू,नंदजी सिंह,गुड्डू सिंह,सतीश सिंह,भुलेटन सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

सभी ने प्रशासन को हर संभव सहयोग देने और पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने का भरोसा दिया। बैठक का समापन सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में हुआ,जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने प्रशासन को पूरा सहयोग देने का संकल्प लिया।

सुमित हत्याकांड का मुख्य शूटर अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

नगर थाना क्षेत्र के महावीर टोला निवासी सुमित कुमार सिंह की हत्या में शामिल मुख्य शूटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. वह मूल रूप से बड़हरा थाना क्षेत्र के पैगा गांव निवासी सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण सिंह है. वर्तमान में वह नगर थाना क्षेत्र के मीरगंज मुहल्ले में रहता है. उसके पास से नाइन एमएम की एक पिस्टल और एक मैगजीन भी बरामद किया गया है. उसकी गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना को पूरी तरह सुलझा दी. पुलिस के अनुसार सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण सिंह द्वारा सुमित कुमार सिंह की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली गयी है. पूछताछ में उसके द्वारा केबी हत्याकांड के अलावे खुद के विवाद में सुमित कुमार सिंह को गोली मारने की बात कही गयी है.

एसपी राज की ओर से सोमवार को प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गयी. उन्होंने बताया कि पांच सितंबर की रात सुमित कुमार सिंह की गोली मार कर हत्या की गयी थी. उस मामले में तीन नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. पुलिस की दबिश के कारण आरोपित नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला निवासी दीपक कुमार और रस्सी बगान निवासी सागर कुमार द्वारा 11 सितंबर को कोर्ट में सरेंडर कर दिये थे. दोनों की पूछताछ और निशानदेही पर दो रोज पूर्व हत्याकांड में शामिल जवाहर टोला निवासी गुड्डू कुमार और करमन टोला निवासी रजनीकांत गौतम को गिरफ्तार किया गया था. हत्या में इस्तेमाल दो पिस्टल और बाइक भी बरामदगी कर ली गयी थी. पूर्व में गिरफ्तार चारों अभियुक्तों की निशानदेही पर सोमवार को थानाध्यक्ष देवराज राय के नेतृत्व में हत्याकांड के मुख्य शूटर सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण सिंह को नाइन एमएम की एक पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ में उसके द्वारा हत्या की बात भी स्वीकार कर ली गयी. बता दें कि पांच सितंबर (शुक्रवार) की रात नगर थाना क्षेत्र के महावीर टोला रोड में अपराधियों ने सुमित कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी. सुमित कुमार सिंह मूल रूप से बडहरा प्रखंड के फरहदा गांव का रहने वाला था. हत्या को लेकर सुमित कुमार सिंह के पिता तारकेश्वर सिंह के आवेदन पर तीन नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है. उसमें नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला निवासी शिव बालक प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार, स्व.रामस्वरूप राम के पुत्र उत्तम कुमार उर्फ बमबम और रस्सी बगान मोहल्ला निवासी सागर को आरोपित बनाया गया था. हत्या से पांच रोज पूर्व सिद्धार्थ और सुमित में हुआ था विवाद एसपी ने बताया कि सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण सिंह द्वारा सुमित कुमार सिंह की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली गयी है. पूछताछ में उसने बताया कि उसका सुमित कुमार सिंह के साथ खुद भी विवाद हुआ था. उसके जवाहर टोला निवासी दीपक कुमार द्वारा भी सुमित कुमार सिंह की हत्या करने के लिए कहा गया था. उसी को लेकर उसके द्वारा सुमित कुमार सिंह को गोली मारी गयी थी. इधर, पुलिस सूत्रों के अनुसार सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण सिंह द्वारा खुद के विवाद के अलावे सुपारी लेकर सुमित कुमार सिंह की हत्या की गयी थी. पूछताछ में भी उसने यह बात स्वीकार की है. बताया गया कि दीपक कुमार की ओर से हत्या के लिए दो लाख की सुपारी दी गयी थी. पूछताछ में सिद्धार्थ कुमार उर्फ नारायण द्वारा बताया गया है कि पांच रोज पहले उसका सुमित कुमार सिंह के साथ विवाद हुआ था. तब सुमित कुमार सिंह द्वारा उसके साथ मारपीट की गयी थी. उसी खुन्नस में उसके द्वारा सुमित कुमार सिंह को गोली मारी गयी थी. बता दें कि सुमित कुमार सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपित दीपक कुमार जवाहर टोला निवासी केबी उर्फ जीतेंद्र कुमार का भाई है. प्रोपर्टी डीलर का काम करने वाले केबी उर्फ जीतेंद्र कुमार की कुछ माह पूर्व हत्या कर दी गयी थी. उसकी हत्या में सुमित कुमार सिंह अभियुक्त रहा था और जेल भी जा चुका था.

जबतक अपनी सोच विकासात्मक नहीं बनाते तबतक हम पूर्णरूप आजाद नहीं : डीएम

- **एसपी बोले, हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी तथा निष्ठा से निर्वहन करें, तभी शहीदों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी**
- **शहीदों के सम्मान में लसाड़ी गांव में राजकीय समारोह का किया गया आयोजन**

केटी न्यूज/रोहतास

15 सितंबर,1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान क्रांतिकारी के रूप में शहीद हुए 12 शहीदों की आदमकद प्रतिमा स्थल लसाड़ी गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजकीय समारोह का आयोजन किया गया. मंच का संचालन बीडीओ मुकेश कुमार तथा अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद ने की. समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज, संदेश विधानसभा के पूर्व विधायक बिजेंद्र यादव, जिला परिषद के सदस्य फुलवंती देवी, स्मारक समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र जी, पूर्व विधायक प्रभुनाथ राम, पूर्व खाद्य उपभोक्ता अध्यक्ष विद्यानंद विकल, प्रखंड प्रमुख मुकेश यादव, राजद जिला युवा अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, नारायणपुर मुखिया भूपेंद्र यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष धमेंद्र यादव, बाबुनंदजी, बीडीओ मुकेश कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राकेश पांडेय, एवं समाजसेवी अमरदीप कुमार आदि ने शहीदों की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद उपस्थित अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर सभा की शुरूआत की गयी. सभा को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने कहा कि जब हम नमन करते हैं अपने शहीदों को, तो जबतक अपनी सोच को अपने गांव ,समाज के प्रति विकासात्मक नहीं बनाते हैं, तबतक हम पूर्णरूप से आजादी नहीं प्राप्त कर सकते हैं. इसके बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों के द्वारा की गयी मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया. वहीं, भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने कहा कि हमारे वे पूर्वज जिन्होंने अपनी जान की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई है. उनकी कुबार्नी की बदौलत ही हमारा देश आज आजाद हैं. हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी तथा निष्ठा से निर्वहन करें. पूर्व विधायक बिजेंद्र यादव ने शहीदों के गांव चासी और ढकनी गांव के शहीद द्वार बनवाने की मांग की. इस अवसर पर मौजूद सैकड़ों आम ग्रामीण जनता उपस्थित थे.बिहार के पाठ्य पुस्तक में जिक्र हो शहीदों के इतिहासउपस्थित शहीद के परिवार से जुड़े लोगों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से कहा कि की शहीदों के बारे में बिहार के पाठ्य पुस्तकों में लिखा जाना चाहिए, ताकि बिहार के बच्चे इनके बारे में जान पाये. आने वाली पीढ़ियों को इन शहीदों के बारे में जानकारी देना बहुत जरूरी है।

जितिया पर्व पर उपवास रख संतान की दीघार्यु उम्र के लिए मां ने मांगी दुआएं

- **सासाराम के नहर पुल में सैकड़ों महिला व्रतियों ने लगाया आस्था की डुबकी**

केटी न्यूज/रोहतास

संतान की सुख-समृद्धि के लिये रखे जाने वाले जितिया व्रत को लेकर महिला श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु सासाराम के लालगंज नहर में स्नान करने के लिए पहुंचीं। उन्होंने स्नान के बाद गंगा स्वरूप नदी के रूप में पूजा-अर्चना की। जबकि

अपने संतान की दीघार्यु के लिए आशीर्वाद मांगा। इस जितिया पर्व पूजन पर बिक्रामगंज चित्रगुप्त कॉलोनी निवासी व्रती गुड़िया देवी, नंदनी देवी, प्रीति, सारिका देवी, रितिका देवी ने कहा कि ऐसी मान्यता है कि जितिया व्रत करने से संतान की आयु में वृद्धि होती है और उनके रोग दोष दूर हो जाते हैं। यह पर्व आश्विन महीने में कृष्ण पक्ष के सातवें से नौवें चंद्र दिवस तक तीन दिन के लिए मनाया जाता है। इस व्रत के पहले दिन महिलाएं सुबह सूर्योदय से पहले

जागकर स्नान करके पूजा करती हैं, फिर एक बार भोजन ग्रहण करती है। उसके बाद पूरे दिन निर्जला रहती हैं। दूसरे दिन सुबह स्नान के बाद महिलाएं पूजा-पाठ कर फिर निर्जला व्रत रखती हैं व तीसरे दिन इसका पारण करती हैं। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद महिलाएं अन्न-जल ग्रहण कर सकती हैं। इस व्रत में गंगा स्नान का खास महत्व माना जाता है। वही स्नान करने पहुंची सैकडो महिलाएं ने बताया कि यहां जिला नगर प्रशासन सासाराम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं किया गया था। नाही कोई महिला सिपाही और ना ही एनडीआरएफ के टीम को नहर नदी में देखा गया। जिससे दुर्घटना होने की महिलाओं में भय व्याप्त था।

एसडीएम के नेतृत्व में बिक्रमगंज में चला संघन वाहन जांच अभियान, लाखों का कटा चलान

- **जान जोखिम में डाल लोग नहीं चलाए वाहन,नियम का करें पालन : प्रभात कुमार**

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिक्रमगंज शहर में एसडीएम प्रभात कुमार के नेतृत्व में वाहनों की हुई सघन जांच। जांच में बाइक सहित चार पहिया वाहनों की भी गहनता से पुलिस के जवानों द्वारा तलाशी की जा रही थी। नगर परिषद के मुख्य तेंदुनी चौक पर रविवार अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने भी खुद भी मोर्चा संभालते हुए वाहन चेकिंग अभियान चला वाहनों पर ऑनलाइन जुमार्ना लगाया। इस संबंध में प्रभात कुमार ने बताया कि यातायात नियमों के अनुपालन के उद्देश्य से चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान नो एंट्री लागू के बाद भी मालवाहक वाहनों की शहर में एंट्री होने की सूचना मिल रही थी। साथ ही शहर में बाइक चालक भी वाहन नियम की धज्जियां उड़ा शहर में बाइक चला रहें हैं। रविवार को जांच अभियान के दौरान चालकों से करीब 1.30 लाख का जुमार्ना वसूल की गयी। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले का लाइसेंस व ट्रक व ऑटो गाड़ी का कागजात की जांच की जा रही थी। बिना हेलमेट के बाइक चला रहे नाबालिक व युवक चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें हेलमेट पहनने की सख्त हिदायत दी गई। उन्होंने कहा कि लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया गया है। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर यह जरूरी हो गया है कि सभी दोपहिया वाहन चालक सुरक्षा के नियमों का पालन करें। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन ना चलाएं और ट्रैफिक नियमों का पालन कर अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। एसडीएम ने बताया कि अनुमंडल के अलग-अलग जगहों पर विशेष वाहन चेकिंग निरंतर अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान वाहनों को जब्त भी किया जायेगा। दूसरी सघन वाहन जांच अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। मौके पर बीडीओ अमित प्रताप सिंह, एसआई रेशमी कुमारी सहित दर्जनों पुलिस जांच अभियान तैनात थे।

एक नजर

शराब के साथ कार जब्त,धंधेबाज फरार

तिलोथू । थाना क्षेत्र के गैस एजेंसी के समीप से शराब लदी एक कार को पुलिस ने बरामद कर जप्त कर लिया है। जबकि धंधेबाज गाड़ी छोड़ कर फरार हो गए। घटना के संदर्भ में थानाध्यक्ष जयराम शुक्ल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शराब की बड़ी खेप बालेनो कर में लाद कर ले जायी जा रही है। इसके बाद सब इंस्पेक्टर दिवाकर कुमार को दलबल के साथ छापेमारी में भेजा गया। इसी दौरान धंधेबाज कार को छोड़कर पुलिस को देखते ही भाग निकले। पुलिस ने कार समेत 150 लीटर शराब जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि धंधेबाज अखिलेश कुमार चंद्रवंशी और कार चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

काराकाट के संस्कृत विद्यालय में करीब 2 सालो से लटक रहा ताला

बसंत विगहा गांव में शिक्षक के अभाव में बच्चों को हो रही परेशानी

काराकाट । जिले क्षेत्र के काराकाट प्रखंड के बसंत विगहा में स्थित श्रीनिवास संस्कृत प्राथमिक सह मध्य विद्यालय पिछले डेढ़ साल से बंद पड़ा है। शिक्षकों की कमी के कारण गांव के बच्चों को पढ़ाई के लिए दूसरे गांवों का रुख करना पड़ रहा है। विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक ने बताया कि यह विद्यालय 1980 में स्थापित हुआ था। जो 2015 तक यहां की शिक्षा व्यवस्था बेहतर थी। इसके बाद कई शिक्षकों की सेवानिवृत्ति हो गई। डेढ़ साल पहले एक शिक्षक की मृत्यु के बाद से विद्यालय पूरी तरह बंद हो गया। स्थानीय निवासी राजेश्वर सिंह के अनुसार, सरकार नए शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर रही है। गांव के युवक सूर्य प्रकाश ने बताया कि संस्कृत बोर्ड में आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसी विद्यालय से पढ़कर शिक्षक बने संतोष सिंह का कहना है कि सरकार संस्कृत विद्यालयों पर ध्यान नहीं दे रही है। विद्यालय के पास ही नया पंचायत भवन बना है, लेकिन विद्यालय की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। गांव वालों और सेवानिवृत्त शिक्षकों ने विधायक और संस्कृत बोर्ड को कई बार पत्र लिखा है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इससे गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है।

हिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति के लिए 3.61 करोड़ का बजट पारित

बीडीओ बोले आमसभा के लिए सरकार मानदेय में कर रही वृद्धि

बिक्रमगंज। प्रगति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड शिवपुर की वार्षिक आमसभा सोमवार को आयोजित की गई। मां विंध्यवासिनी होटल के सभागार में हुई इस बैठक का उद्घाटन बिक्रमगंज के बीडीओ अमित प्रताप सिंह ने किया। समिति की अध्यक्ष सविता देवी ने बैठक की अध्यक्षता की। समिति की सचिव राबिया खातून ने वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत की। लक्ष्मीना देवी ने 3 करोड़ 61 लाख 30 हजार 826 रुपये का वार्षिक बजट पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडरों को सम्मानित भी किया गया। बीडीओ अमित प्रताप सिंह ने बताया कि बिहार सरकार जीविका कर्मियों के मानदेय में वृद्धि कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जीविका संगठन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में सहकारिता पदाधिकारी नरेंद्र कुमार, आईबीसीबी मैनेजर उत्पल कांत, टीओ. जितेंद्र दास और प्रखंड परियोजना प्रबंधक विजय चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर सीएम रानी देवी, प्रभा देवी, रूबी देवी समेत निदेशक मंडल की सदस्य विमला देवी, इंदू देवी और अन्य जीविका कैडर तथा ग्राम संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित थें।

समकालीन अभियान में 71 अभियुक्त गिरफ्तार

आरा। भोजपुर पुलिस ने रविवार को पूरे जिले में विशेष समकालीन अभियान चलाया. पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज के निर्देश पर चलाये गये विशेष समकालीन अभियान में कुल 71 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें हत्या, हत्या के प्रयास सहित अन्य विभिन्न कांडों के अभियुक्त शामिल हैं. इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस बयान जारी कर दी. उनके द्वारा बताया गया कि रविवार को पूरे जिले में कुल 71 अभियुक्त की गिरफ्तारी की गयी है. यह अभियान लगातार चलता रहेगा।

करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में सोमवार की शाम करेंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी. इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही. जानकारी जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी उबैदु रहमान का 32 वर्षीय पुत्र मो.सहहज आलम उर्फ सहजाद आलम उर्फ विक्की एवं वह मजदूर था. इधर, मृतक के परिजन ने बताया कि वह दौलतपुर गांव में ही स्थित वॉशिंग वर्कशॉप में काम करता था. सोमवार की शाम जब वॉशिंग वर्कशॉप में काम कर रहा था. इसी दौरान वह करेंट की चपेट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया. उसके बाद वहां मौजूद लोग एवं परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लगाया गया, जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया. बताया जाता है कि मृतक कुछ माह बाद सऊदी अरब काम करने के लिए जाने वाला था. वह अपने दो भाई व दो बहन में दूसरे स्थान पर था. उसके परिवार में पत्नी इंशा परवीन एवं एक पुत्र हमजा आलम है. उसकी मां फिरोजा खातून की मौत एक वर्ष पूर्व बीमारी के कारण हो गयी थी. घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है. उसकी पत्नी इंशा प्रवीण एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मां तुतला भवानी पहुंचे थाईलैंड के विदेशी पर्यटक

रोहतास । जिले का गौरवशाली मां तुतला भवानी ईको-पर्यटन स्थल अब अंतरराष्ट्रीय पहचान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार को थाईलैंड से विशेष रूप से आए पर्यटक इस प्राकृतिक स्थल की भव्यता और हरियाली देखकर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने कहाझहमने दुनिया के कई देशों में नेचर टूरिज्म देखा है, लेकिन यहां जैसी शांति और पवित्रता कहीं नहीं मिली। यह जगह वाकई धरती का स्वर्ग है। पर्यटकों ने मां तुतला भवानी के दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और परिसर की हरियाली,झरनों व प्राकृतिक गुफाओं का आनंद उठाया। वे यहाँ की संस्कृति, ग्रामीण आतिथ्य और आध्यात्मिक वातावरण से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधि दीपक चौधरी जी को अपने देश की करेंसी भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। इस मौके पर स्थानीय लोगों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। उनका कहना है कि विदेशी पर्यटकों का आगमन यहां की पहचान को नई ऊँचाई देगा और भविष्य में यह स्थल अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा। मां तुतला भवानी धाम का प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था अब न सिर्फ बिहार और भारत,बल्कि पूरी दुनिया के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने लगा है।

महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति के लिए 3.61 करोड़ का बजट पारित

बिक्रमगंज। प्रगति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड शिवपुर की वार्षिक आमसभा सोमवार को आयोजित की गई। मां विंध्यवासिनी होटल के सभागार में हुई इस बैठक का उद्घाटन बिक्रमगंज के बीडीओ अमित प्रताप सिंह ने किया। समिति की अध्यक्ष सविता देवी ने बैठक की अध्यक्षता की। समिति की सचिव राबिया खातून ने वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत की। लक्ष्मीना देवी ने 3 करोड़ 61 लाख 30 हजार 826 रुपये का वार्षिक बजट पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडरों को सम्मानित भी किया गया।

सीएम हाउस जाने से पुलिस ने रोका, छात्र बोले- डटे रहेंगे

दरोगा अभ्यर्थियों पर पुलिस ने पटना में लाठीचार्ज

एजेंसी। पटना

पटना में दरोगा और सिपाही भर्ती परीक्षा जल्दी कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने पटना कॉलेज से पैदल मार्च निकाला। सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन, पुलिस ने डाक बंगला चौराहा पर बैरिकेडिंग कर दिया। पुलिस ने अभ्यर्थियों को काफी समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुके। इसी बीच कई अभ्यर्थी कोतवाली थाने के पास पहुंच गए। अभ्यर्थी आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे लेकिन कोतवाली के पास पटना पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने काफी समझाया लेकिन जब वह नहीं माने तो लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी अभ्यर्थियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते दिखे। वहीं अभ्यर्थियों ने कहा कि हमलोगों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। लाठीचार्ज के दौरान एक महिला का पैर टूट गया। कई अभ्यर्थी घायल हुए हैं। इन सबके बावजूद हमलोग डटे रहेंगे। बताया जा रहा है कि पटना पुलिस ने प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शिक्षक रोशन आनंद को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों का आक्रोश बढ़ गया। अभ्यर्थियों ने पुलिस की गाड़ी घेर लिया। कहने लगे कि रोशन सर को गाड़ी से बाहर निकाला जाए। अभ्यर्थियों का बढ़ता आक्रोश देखकर पुलिस ने शिक्षक रोशन आनंद को छोड़ दिया। दो साल से दरोगा बहाली नहीं निकली है वहीं छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि बिहार में लगभग दो साल से दरोगा बहाली नहीं निकली है। जल्द ही आचार संहिता लागू हो जाएगी, जिसके बाद नई भर्ती की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। ऐसे में सरकार को तुरंत दरोगा भर्ती के विज्ञापन जारी करनी चाहिए। छात्र नेता ने कहा कि अभ्यर्थियों का हक है कि उन्हें पता चले आयोग ने किस प्रश्न का कौन-सा उत्तर सही माना और उन्हें कितने अंक मिले। लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सिपाही भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और ईमानदार तरीके स पूरी की जाए।

बिहार की जेडीयू नेता ने आरजेडी विधायक के खिलाफ दर्ज कराया केस, लगाए यह गंभीर आरोप

एजेंसी। पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में आरजेडी विधायक अमर पासवान के खिलाफ जबरन जमीन कब्जा करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अमर पासवान मुजफ्फरपुर के बोचहां विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। दरअसल, यह कार्रवाई जेडीयू की महिला नेता सविता शाही की शिकायत पर की गई है। सविता शाही ने अहियापुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में स्थित एक 78 डिसमिल प्लॉट पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि इस जमीन की कीमत 4 करोड़ रुपये से अधिक है। सविता शाही के अनुसार, 25 अगस्त को अमर पासवान अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और जमीन पर लगे पिलर को उखाड़ दिया, जबरन कब्जा करने की कोशिश की, मारपीट पर उतारू हो गए और हत्या की धमकी दी। सविता शाही ने घटना के बाद अहियापुर थाना में आवेदन दिया था। हालांकि, स्थानीय पुलिस द्वारा लगातार टालमटोल किया गया। इसके बाद सविता शाही ने डीजीपी विनय कुमार से मुलाकात कर न्याय की मांग की। मुख्यालय के हस्तक्षेप के बाद थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने मामले की जांच की जिम्मेदारी दरोगा बिट्टू कुमार को सौंपी थी। प्री-एफआईआर जांच में आरोप सत्य पाए गए, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। थाना अध्यक्ष रोहन कुमार ने पुष्टि की है कि कांड दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

इंजीनियर्स डे पर मंत्री ने की घोषणा

बिहार में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक के टॉपर्स को लैपटॉप देगी सरकार

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह ने अभियंता दिवस के मौके पर बड़ा एलान किया है। मंत्री ने कहा कि राज्य भर के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के विभिन्न संकायों में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को अगले वर्ष से मेधावी छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार के अंतर्गत लैपटॉप दिया जाएगा। वर्तमान में इस पुरस्कार के अंतर्गत इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक दोनों कॉलेजों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को क्रमशः पांच, चार और तीन हजार रुपए नकद पुरस्कार के साथ ही प्रमाण पत्र और मेडल दिया जाता है। मंत्री समित सिंह ने कहा कि हमें पुरस्कार को केवल पांच विषयों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसके बजाय हम इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक के सभी विषयों में राज्य स्तर पर शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को लैपटॉप देना चाहेंगे। इससे छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास होगा। मंत्री सुमित कुमार सिंह छात्र और उनके अभिभावकों के एक समूह को सोमवार को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन तारामंडल परिसर में अभियंता दिवस के अवसर पर मेधावी छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार 2025 के रूप में हुआ। यह पुरस्कार पांच विषयों में राज्य स्तर पर शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दिया जाता है। भारत रत्न और प्रख्यात इंजीनियर डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर आयोजित इस सम्मान समारोह में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे उनके करियर निर्माण में काफी सहयोग मिलेगा। पुरस्कार प्राप्त करने पर छात्रों को बधाई देते हुए विभागीय सचिव डॉ. प्रतिमा ने कहा कि उनका यह पुरस्कार दूसरों को कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राज्य के प्रत्येक ज़िले में एक इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा और उसे पूरा भी किया गया। हमें उद्योग जगत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार पाठ्यक्रम तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि विभाग नए विषयों को शुरू करने के साथ ही अपने इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए एनबीए मान्यता और एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। हमने इंटर्नशिप के लिए अपना पोर्टल तैयार कर लिया है। सातवें और आठवें सेमेस्टर के छात्र अब राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में इंटर्नशिप करने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करा सकते हैं।

पुरस्कार प्राप्त करने को डॉ. प्रतिमा ने छात्रों को बधाई

इससे उनके करियर निर्माण में काफी सहयोग मिलेगा। पुरस्कार प्राप्त करने पर छात्रों को बधाई देते हुए विभागीय सचिव डॉ. प्रतिमा ने कहा कि उनका यह पुरस्कार दूसरों को कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राज्य के प्रत्येक ज़िले में एक इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा और उसे पूरा भी किया गया। हमें उद्योग जगत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार पाठ्यक्रम तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि विभाग नए विषयों को शुरू करने के साथ ही अपने इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए एनबीए मान्यता और एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

बिहार : विशेष सर्वेक्षण संविदाकर्मियों की पुनर्बहाली प्रक्रिया जारी, अब तक 402 को मिली स्वीकृति

एजेंसी। पटना

हड़ताल पर गये 9000 से ज्यादा विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मियों को एक झटके में सरकार ने बर्खास्त कर दिया था। अब धीरे-धीरे उन्हें फिर से बहाल किया जा रहा है। पुनर्बहाली प्रक्रिया लगातार जारी है। अभी तक 2035 संविदा कर्मियों ने वापसी के लिए अपील किया है जिसमें सिर्फ 402 आवेदन पर विचार करते हुए स्वीकृति दी गयी है जबकि अन्य आवेदन प्रक्रिया में है। भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के अंतर्गत कार्यरत जिन विशेष सर्वेक्षण संविदाकर्मियों को पूर्व में हड़ताल के कारण सेवा से बर्खास्त किया गया था, उन्हें अब राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा पुनः सेवा में लौटने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस मानवीय पहल के तहत बर्खास्त कर्मियों को अपील करने की सुविधा दी गई है, ताकि वे पुनर्बहाली के लिए आवेदन कर सकें। जिसके तहत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। विभाग द्वारा अपील हेतु निर्गत ईमेल आईडी appealdlrs@gmail.com पर अब तक 2035 कर्मियों ने पुनर्बहाली के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं, और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनमें से 402 अपीलों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जबकि शेष आवेदनों की समीक्षा प्रक्रिया प्रगति पर है।

चलने के साथ ही दो हिस्सों में बंटी एक्सप्रेस ट्रेन, यात्रियों में मचा हड़कंप

पटना। पटना के फतुहा रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब श्रमजीवी एक्सप्रेस के दो कोच कपलिंग टूटने की वजह से मुख्य रैक से अलग हो गए। घटना सुबह 8:10 बजे की है, जब ट्रेन स्टेशन से रवाना हो रही थी। गनीमत रही कि ट्रेन की गति धीमी थी और समय रहते ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया, जिससे कोई यात्री हताहत नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि जैसे ही श्रमजीवी एक्सप्रेस प्लेटफार्म छोड़ रही थी, अचानक दो बोगियां मुख्य ट्रेन से अलग हो गईं और प्लेटफॉर्म पर ही रुक गईं। गार्ड और स्टेशन मास्टर को स्थिति की जानकारी मिलते ही ट्रेन को तुरंत रोका गया और यात्रियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए गए। रेलवे कर्मचारियों ने 8:31 बजे तकनीकी मरम्मत कर कोच को फिर से ट्रेन से जोड़ दिया। जांच के बाद ट्रेन को 9:02 बजे सुरक्षित रूप से गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना कपलिंग टूटने की वजह से हुई।

सहरसा में स्कॉर्पियो में भीषण आग, जिला पशुपालन पदाधिकारी बुरी तरह झुलसे

एजेंसी। सहारसा

सहरसा जिले से सोमवार अहले सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई है। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-11 नरियार स्थित एक मकान में खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी अचानक आग की लपटों में घिर गई। इस हादसे में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. कुमोद कुमार बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया और लोग दहशत में अपने-अपने घरों से बाहर निकल पड़े।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अहले सुबह मकान के सामने खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी से अचानक धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में आग की लपटें इतनी तेज हो गईं कि आसपास के लोगों को भागकर अपनी जान बचानी पड़ी। इसी बीच जिला पशुपालन पदाधिकारी भी घर से बाहर निकलने लगे। तभी गाड़ी से निकल रहे डीजल पर उनका पैर फिसल गया और वे आग की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला और तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।घटना में घायल हुए अधिकारी की पहचान छपरा जिले के पसरा थाना क्षेत्र निवासी 58 वर्षीय डॉ. कुमोद कुमार के रूप में हुई है। वे वर्तमान में सहरसा जिले के जिला पशुपालन पदाधिकारी के पद पर तैनात हैं। जानकारी के अनुसार, बीते एक साल से वे सहरसा में पदस्थापित थे और नरियार स्थित आरती कुंज मकान में किराएदार के रूप में रह रहे थे।

बिहार में ससुराल जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बेतिया। बेतिया जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। सुगौली थाना स्थित फुलवरिया गांव निवासी बिट्टू राम, पिता संतोष राम, की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बिट्टू राम रविवार को अपनी बाइक से ससुराल मझौलिया जा रहा था, तभी गुरचुरवा के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बिट्टू राम की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना 112 डायल नंबर पर दी। सूचना पाकर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को अपने कब्जे में लेकर बेतिया जीएमसीएच भेजा। सोमवार, 15 सितंबर को जीएमसीएच में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

बिहार के 25 हजार मध्य विद्यालय बनेंगे डिजिटल, खर्च होंगे 2,621करोड़ रुपये

एजेंसी। पूर्णिया

बिहार सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के 25,000 मध्य विद्यालयों में दो-दो स्मार्ट क्लासरूम बनाने का फैसला लिया गया है, जिससे कुल 50,000 स्मार्ट क्लासरूम तैयार होंगे। यह योजना बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के तहत चलेगी और टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद काम अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। हाल ही में रेलटेल कॉर्पोरेशन को मिडिल स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम लगाने के लिए 2,621 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है और यह काम मार्च 2026 तक पूरा होगा। इससे ग्रामीण इलाकों के बच्चे भी डिजिटल शिक्षा से जुड़ सकेंगे और कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को कंप्यूटर लैब व स्मार्ट बोर्ड की सुविधा मिलेगी। जिले स्तर पर इस योजना से 200 से ज्यादा मध्य विद्यालय लाभान्वित होंगे। हर स्मार्ट क्लासरूम में दो डिजिटल टीवी, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य जरूरी उपकरण लगाए जाएंगे। एजेंसी को तीन साल की अतिरिक्त वारंटी और दो साल की स्टैंडर्ड वारंटी देनी होगी। वित्त विभाग ने जून में ही 31,297 मिडिल स्कूलों के लिए स्मार्ट क्लासरूम की मंजूरी दी थी। इससे शिक्षकों को पावरपॉइंट जैसी तकनीक से पढ़ाना आसान होगा और बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी। हाल ही में ई-शिक्षाकोष के तहत प्रधानाध्यापकों से जरूरतों की जानकारी भी मांगी गई, जिसमें 569 मिडिल स्कूलों ने स्मार्ट क्लास की मांग की थी। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए यह कदम बड़ा अहम है। डिजिटल उपकरणों से छात्र तकनीक से परिचित होंगे और समय की काफी बचत होगी। वर्तमान में बिहार के 96 मिडिल स्कूलों में स्मार्ट क्लास हैं, जबकि 285 हाई स्कूलों में उन्नयन स्मार्ट क्लास उपलब्ध हैं।

सुभाषितम्

इच्छा सभी उपलब्धियों का प्रारंभिक बिंदु है, बल्कि एक गहरी धड़कन वाली इच्छा जो सब कुछ से परे है। - नेपोलियन हिल

भारतीयों के प्रति क्यों बढ़ रही है नफरत

नेपाल में हाल ही में हुए बवाल के बाद जिस तरह से वहां पर भारत का विरोध देखने को मिला, वह आश्चर्यचकित करने वाला था। भारत और नेपाल के लोगों में शादी विवाह के संबंध है। नेपाल से भारत के बहुत आत्मीय संबंध हमेशा से रहे हैं। हिंदू बाहुल्य दोनों देशों के बीच हमेशा से धार्मिक और सांस्कृतिक रिश्ते होने के बाद भी, जिस तरह से भारत का विरोध नेपाल में देखने को मिला है। उससे चिंता होना स्वाभाविक है। यह अकेले नेपाल की बात नहीं है। पिछले एक दशक में दुनिया के उन सभी देशों में जहां पर भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। वहां पर भारतीयों को लेकर वेमनष्य देखने को मिल रहा है। विदेशों में भारतीयों के ऊपर हमले बढ़ गए हैं। पिछले 5 वर्ष में नस्लवाद को लेकर भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। कोविड महामारी के बाद इसमें लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। भारत और कनाडा के बीच में खालिस्तान के मुद्दे पर बार-बार हिंसा देखने को मिली है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर भी भारतीयों के बारे में अच्छी राय देखने को नहीं मिल रही है। गल्फ के देशों में भी भारतीयों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है। दुर्व्यवहार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारतीय छात्रों के साथ अमेरिका और कनाडा जैसे देश में अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है। कई देशों में भारतीयों को भगाओ जैसे अभियान शुरू हो गए हैं। अमेरिका में भी भारतियों के प्रति जो रुख देखने को मिल रहा है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। एच1 वीजा धारकों को अमेरिका से बाहर भगाया जा रहा है। सिलिकॉन वैली जैसी जगह पर भारतीयों के ऊपर हमले हो रहे हैं। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से भारतीयों को अमेरिका में जॉब चोर के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका में भी नस्ली हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। अमेरिका में एंटी इंडियन सोशल मीडिया पर हेशटैग ट्रेंड कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ रैलियां निकाली जा रही हैं। मेलबर्न में भारतीयों के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है, उन्होंने शहर को बर्बाद कर दिया है। भारतीय छात्रों को वहां आसानी से मकान नहीं मिलते हैं। यूनाइटेड किंगडम मे भी हालत खराब होती जा रही है यहां पर भी नस्लिय हमले बढ़ गए हैं होटल और ट्रांसपोर्ट के धरने में भेदभाव किया जा रहा है। भारतीय पर्यटकों के साथ भी विदेशों में दुर्व्यवहार हो रहा है। आयरलैंड में आए दिन चाकू बाजी की घटनाएं हो रही हैं। यहां पर भी भारतीयों को लेकर असंतोष लगातार बढ़ता चला जा रहा है। भारतीयों को लेकर सोशल मीडिया में अभियान चलाया जा रहा है। गल्फ के देशों में भी पिछले 5 वर्षों में भारतीयों का शोषण और हिंसा की घटनायें बढ़ी है उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जाता हैं। पासपोर्ट जप्त कर लिया जाता है, भारतीयों के बारे में घृणास्पद टिप्पणियां की जा रहीं हैं। गल्फ के देशों में भारतीयों के साथ गुलाम जैसा व्यवहार किया जा रहा है। बांग्लादेश में भी हालत दिन प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। सीमा विवाद और धार्मिक उन्माद को लेकर बांग्लादेश और भारत के बीच में दूरियां लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। थाईलैंड जैसे देश मे भारतीयों को दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ रहा है। भारतीय दूतावास की तरफ से कोई सार्थक मदद नहीं मिलती है, यह घटनाएं चिंता पैदा करने वाली हैं। 2014 के पहले भारतीयों को विदेश में एक शांत नागरिक के रूप में देखा जाता था। भारतीय मूल के लोग आसानी से अपना स्थान वहां पर बना लेते थे। 2014 के बाद से भारत में हिंदू मुस्लिम और अल्पसंख्यकों के विवाद के बाद यूरोपीय और अरब देशों में भारतीय समुदाय की स्थिति पहले की तुलना में खराब हुई है। भारत से बाहर मुस्लिम विरोधी भावनाओं को भड़काया जा रहा है। विदेश में रह रहे हिंदुओं द्वारा डायस्पोरा समुदायों के बीच में मुस्लिम-सिख के बीच में दूरियां बढ़ाई जा रही हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश में हिंदू राष्ट्रवाद की भावना को भड़काया जा रहा है। जिसके कारण वहां पर विवाद बढ़ रहे हैं। भारत में जिस तरह से हिंदू राष्ट्रवाद को लेकर बातें हो रही हैं। इसका असर विदेशों पर भी पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

जहां शांति है वहीं सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भी मन करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले।

पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत?

- हरदीप सिंह पुरी

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए। 2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्त्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है। इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग ?1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग ?28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025झ26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को ?96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है। भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने ?24 लाख करोड़ से ज्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके जरिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है। मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ.5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफर तेज, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ.लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है। शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-क्क (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज यातायात प्रणाली–दिल्लीझमेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)–पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफर एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं। एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है। समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज. और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोजगार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंजूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ. 57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हजारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर ईंधन मिलना हकीकत बन चुका है। भारत ने अब दुनिया की मेजबानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हजारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है।

देश के विकास में इंजीनियरों की अहम भूमिका है

- संजय गोस्वामी

भारत में इंजीनियर्स डे हर साल 15 सितंबर को मनाया जाता है इसे अभियंता दिवस भी कहते हैं. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे मनाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. उन्होंने सिंचाई, बांध, बुनियादी ढांचे और आर्थिक योजनाओं में अद्भुत योगदान दिया. यही वजह है कि यह दिन भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी मनाया जाता है. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता हैसर एम विश्वेश्वरैया का जन्मः 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में हुआ था और वह बाढ़ प्रबंधन और सिंचाई तकनीक के विशेषज्ञ माने जाते थे. उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ साइंस से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया. भारत सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न और ब्रिटिश सरकार ने डल्ल्ँइँङ्कङ्क अद्द१ से सम्मानित किया. उनकी जयंती को 1967 से राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे के रूप में मनाना शुरू किया गया.भारत में इंजीनियर्स दिवस की शुरूआत 1968 में हुई थी, जब भारत सरकार ने सर एम. विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय जीवन और उपलब्धियों के स्मरणोत्सव के लिए 15 सितंबर को एक दिन के रूप में घोषित किया था। 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में जन्मे सर विश्वेश्वरैया को भारतीय इंजीनियरिंग के जनक के रूप में

दुनिया भर में पहचान मिली। उनके नवाचारों–जैसे पेटेंट प्राप्त स्वचालित फ्लडगेट और कृष्णराज सागर बांध का डिजाइन–ने भारत के बुनियादी ढाँचे और जल प्रबंधन प्रणालियों को बदल दिया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने लोक निर्माण, शिक्षा और औद्योगीकरण में योगदान दिया। यह वार्षिक उत्सव न केवल उनकी विरासत का सम्मान करता है, बल्कि देश के विकास में इंजीनियरिंग पेशे के महत्वपूर्ण महत्व को भी उजागर करता है।अपनी प्रारंभिक पढ़ाई चिक्काबल्लापुर में करने के बाद वे बैंगलोर चले गए। 1881 में बैंगलोर से बी.ए. की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वे बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (ढहऊ) से जुड़े। मशहूर है ट्रेन का दिलचस्प किस्सा उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बेहद मशहूर है। एक बार ट्रेन से सफर के दौरान अंग्रेज यात्री एक भारतीय का मजाक उड़ा रहे थे। तभी उस भारतीय ने अचानक ट्रेन की चेन खींच दी। सभी नाराज हो गए, लेकिन उसने कहा कि पटरियों में गड़बड़ी है। जांच हुई तो सचमुच कुछ दूरी पर पटरी टूटी हुई मिली। यह शख्स और कोई नहीं बल्कि सर एम. विश्वेश्वरैया ही थे। इंजीनियर्स दिवस 2025 का मुख्य विषय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग निकायों द्वारा इस दिवस के करीब घोषित किया जाएगा। परंपरागत रूप से, हर साल की थीम इंजीनियरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और आकांक्षाओं को संबोधित करती है–उदाहरण के लिए, एक सतत भविष्य के लिए इंजीनियरिंग या एक बेहतर भारत के लिए इंजीनियर। 2025 की थीम इंजीनियरिंग में स्थिरता, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो इंजीनियरों और छात्रों को भारत के तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सर एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं और स्मारकों पर श्रद्धांजलि समारोह और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी इंजीनियरिंग कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, व्याख्यान और वेबिनार सर विश्वेश्वरैया के योगदान पर केंद्रित स्कूल और कॉलेज स्तर की निबंध, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएँ से शिक्षा, तकनीकी नवाचार और नैतिक इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने वाले सरकारी और गैर-लाभकारी अभियान को बढ़ावा मिलता है . विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर उन्ही के नाम पर एक अच्छा एनआईटी कॉलेज है इंजीनियर्स डे है के दिन डिजिटल पोस्टर शेयरिंग के साथ सोशल मीडिया जागरूकता इंजीनियरिंग की सामाजिक भूमिका पर विचार करते हुए लेख, विशेष फीचर और भाषणों का प्रकाशन प्रेरक उद्धरण और नारे लगाए जाते हैं एम. ??विश्वेश्वरैया ने कहा था याद रखें, आपका काम सिर्फ.रेलवे क्रॉसिंग की सफाई करना हो सकता है, लेकिन यह आपका कर्तव्य है कि आप इसे इतना साफ रखें कि दुनिया का कोई भी दूसरा क्रॉसिंग आपके क्रॉसिंग जितना साफ न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर राष्ट्र के सपनों के निमार्ता होते हैं। सच्ची सेवा देने के लिए, आपको कुछ ऐसा जोड़ना होगा जिसे पैसे से खरीदा या मापा न जा सके–ईमानदारी और निष्ठा। बड़े सपने देखें। कड़ी मेहनत करें। भविष्य का निर्माण करें। सर एम. विश्वेश्वरैया की विरासत प्रगति और नवाचार का खाका तैयार किया । इंजीनियर्स दिवस हमें याद दिलाता है कि दूरदर्शिता और कर्म से दुनिया बदल सकती है। इंजीनियर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि एक इंजीनियर केवल मशीनों और प्रोजेक्ट्स का निमार्ता ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति का आधार भी है. आज के समय में चाहे टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण या स्पेस रिसर्च हो, हर क्षेत्र में इंजीनियरों की अहम भूमिका है।

परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

-राव इंद्रजीत सिंह

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंतःक्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में जमीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है। जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरूआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमः एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्जी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के जरिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया। डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है।

आज का राशिफल

मेष यात्राओं से आपको सामान्य लाभ प्राप्त होगा। ऐसे में आप इन्हें अभी के लिए टाल भी सकते हैं।

तुला आपको सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है, जिससे आप खुश रहेंगे।

वृषभ अधिकारी से अनबन हो सकती है। क्षेत्र में भी किसी व्यापारी से बहस होने की संभावना है।

वृश्चिक नौकरी करने वालों के अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। विरोधियों को थोड़ी परेशानी होगी।

मिथुन व्यवसाय के क्षेत्र में किसी काम या बात को लेकर आपका मन दुखी रह सकता है।

धनु अपने धैर्य और मधुर वाणी से आप वातावरण को सामान्य बना सकते हैं।

कर्क व्यापार में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। सहयोगियों के साथ से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

मकर व्यापार के मामले में आपको किसी नई डील के चलते अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

सिंह दिन मिलाजुला रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभ आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है।

कन्या आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और धन लाभ के भी शुभ योग बन रहे हैं।

मीन युवा वर्ग के लिए दिन बेहद अच्छा रहने वाला है। अगर आपने करियर की अभी शुरुआत की है।

विशेष

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पूर्व मथुरा मुद्दा?

अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है।इसके बाद से हिंदुओं में एक अलग तरह की चुप्पी देखने को मिल रही है। जिससे भाजपा की चिंता बढ़ गई है। धार्मिक उन्माद कम होता जा रहा है। भाजपा एक बार पुनः उन्माद पैदा करने के लिए अब मथुरा मुद्दे को हथियार बनाने का निर्णय लिया है। संघ भाजपा और उसके अनुवांशिक संगठन मथुरा मुद्दे को जबरदस्त तरीके से उठायगें। अगला विधानसभा चुनाव मथुरा के नाम पर लड़ा जाएगा। अयोध्या के बाद वृंदावन का नारा लगेगा। महाभारत के प्रणेता भगवान कृष्ण थे। मथुरा में भगवान कृष्ण का आशीर्वाद भाजपा को मिलेगा। ऐसा विश्वास बीजेपी एवं भाजपा के अनुवांशिक संगठनों को है। राधे- राधे

याद आए काशीराम

बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती को अब काशीराम की याद सता रही है। सुख के दिनों में काशीराम को भूल गई थी। अब जब दुखी हैं।मायावती ने जिस हाल में बसपा को पहुंचा दिया है। उसको यदि कोई उबार सकता है, तो वह केवल काशीराम हैं। दुख के समय उन्हें सुमरना, मायावती के लिए फायदेमंद हो सकता है। काशीराम की पुण्यतिथि पर एक बार फिर बसपा में जान फूंकने की कोशिश मायावती करेगी।केंद्र की मोदी सरकार पहले की अपेक्षा कमजोर है। ऐसी स्थिति में मायावती को लगता है, काशीराम के सहारे एक बार पुनः वह उत्तर प्रदेश में ताकत के साथ वापस आ सकती हैं। अब काशीराम की आत्मा उनकी कितनी मदद करेगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1861ः आधुनिक कर्नाटक के निमार्ता एम. विश्वेश्वरैय्या का जन्म.1919ः प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ने पश्चिमी मोर्चे पर पहली बार टैंकों का प्रयोग किया. 1935ः न्यूरेमबर्ग कानून के तहत यहूदियों को अवैध घोषित करते हुए स्वास्तिक को जर्मनी का ध्वज बनाया गया. 1938ः ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चैम्बरलेन एडोल्फ हिटलर से मिले. 1942ः जर्मनी फौजों ने रूसी शहर स्टालिनग्राद पर हमले किए. 1946ः जनमत संग्रह के बाद बल्गारिया गणराज्य की स्थापना की गई. 1948ः स्वतंत्र भारत का प्रथम ध्वजवाहक पोत आईएनएस मुंबई बंदरगाह पर पहुंचा. 1959ः दिल्ली में टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण शुरू हुआ. 1967ः अरब इसरायल युद्ध के दौरान मिस्त्री फौजों के कमांडर फील्ड मार्शल अब्दुल हकीम अमीर ने आत्महत्या की. 1991ः द्रमुक के संस्थापक सी.एन. अन्नादुरै का जन्म.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.13 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.27 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.48 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.18 बजे से
		मिथुन	23.16 बजे से
राहुकाल		कर्क	01.30 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		सिंह	03.46 बजे से

2025 वर्ष का 257 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.41 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 07.35 बजे तदनन्तर सिद्धि(असृक)04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बालव 16.03 बजे तदनन्तर कौलव 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 24'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872467
जूलियन दिन 2460932.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, अष्टमी रोहिणी, हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

9 नामजद समेत दर्जनों अज्ञात के खिलाफ 1 महीने बाद केस

रांची, एजेंसी। हिंदपीढ़ी के भट्ठी चौक पर 10 अगस्त को हुए साहिल गद्दी उर्फ कुरकुरे हत्याकांड में आरोपियों के घर हुई आगजनी के एक महीना बाद तंजीम नगर निवासी सवाना परवीन ने रविवार को जेवरात व पैसा लूट ले जाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने कहा है कि भट्ठी चौक पर कुरकुरे की गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्याकांड में मेरे बेटे का भी नाम आया था। इसके बाद बदला लेने के उदेश्य से 10 अगस्त की दोपहर लगभग 2 :30 बजे 50-60 की संख्या में आए लोगों ने घर में घुसकर लूट-पाट की। इनमें ग्वाला टोली निवासी वसीम गद्दी, फैजान गद्दी, साहिल गद्दी, सैफ अली, सनौवर, मेहंदी गद्दी, जमाल गद्दी, बारूद और लालो गद्दी प्रमुख रूप से शामिल था। घर पर हमला किए जाने के बाद वो अपने परिवार के साथ जान बचाकर भागी। हमला करने पहुंचे सभी लोग खतरनाक हथियार से लैस थे। घर में ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दिया। पूरे परिवार को जान से मार देने का धमकी दी जा रही थी, इस वजह से वह एफआईआर कराने थाना नहीं पहुंच पाई थी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मालूम हो कि 10 अगस्त की दोपहर भट्ठी चौक पर कुरकुरे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आक्रोशित लोगों ने आरोपियों के घर पर हमला किया था। हत्याकांड में शामिल 8 लोगों को अबतक गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज चुकी है।

जमशेदपुर में 16 बीघा जमीन को लेकर चल रहा था विवाद, कुल्हाड़ी से हमलाकर युवक को उतारा मौत के घाट

जमशेदपुर, एजेंसी। मानगो के एमजीएम थाना क्षेत्र सिरकाटोला बाडेडीह गांव में जमीन विवाद में 26 वर्षीय युवक जगदीश हेम्ब्रम की हरवे-हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई जबकि उसकी पत्नी को धक्का-मुक्की कर पानी में गिरा दिया। एक साल की पुत्री को भी पानी की ओर फेंक दिया। किसी तरह वह जान बचाकर वहां से वह भागी। घर जाकर पति के भाई विनोद हेम्ब्रम को जानकारी दी। घटना रविवार सुबह की है। हत्या को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के स्वजनों से मामले में पूछताछ की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या के आरोप में पुलिस ने सरकार हेम्ब्रम और कोंदा हेम्ब्रम को गिरफ्तार किया है। घटनास्थल से खून से लगा कुल्हाड़ी को जब्त किया है। मृतक की पत्नी सारंती ने बताया कि रविवार सुबह वह खेत की ओर लकड़ी चुनने गई थी। वहां से दो बार लकड़ी लेकर घर आई जब तीसरी बार गई तो कोंदा हेम्ब्रम ने उसका रास्ता रोक लिया और लकड़ी ले जाने का विरोध करते हुए गाली देने लगा। जानकारी पर पति जब बीच-बचाव करने आए तो मारपीट शुरू कर दी। पति को घेर लिया। तलवार व कुल्हाड़ी से बुद्धू हेम्ब्रम, कोडा हेम्ब्रम, बादल हेम्ब्रम, सनातन और सरकार हेम्ब्रम ने हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना में आरोपितों की पत्नियां भी शामिल थी। पति मजदूरी करते थे। हत्या आरोपितों और जगदीश के बीच 16 बीघा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार सुबह पुत्र का विवाद आरोपितों के साथ हुआ। बहसबाजी होने लगी। इसी दौरान आरोपितों ने पुत्र की हत्या कर दी। पहले भी बड़े पुत्र के साथ आरोपितों ने मारपीट की थी। मोबाइल तोड़ दिया था। मामले की शिकायत एमजीएम थाना में की गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

साइबर क्रिमिनल को पकड़ने गई पुलिस को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

करमाटांड़ (जामताड़ा), एजेंसी। जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस को छापेमारी के दौरान भारी फजीहत का सामना करना पड़ गया। सोमवार की सुबह साइबर थाने की पुलिस थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो की अगुवाई करमाटांड़ के कुरबा गांव में छापेमारी को पहुंची थी। इस घर में रहने वाले ईश्वर मंडल के घर के किसी व्यक्ति पर तेलंगाना में साइबर ठगी का मामला दर्ज है, लेकिन जिस घर में साइबर ठगों के होने की जानकारी पुलिस को मिली थी, उस घर के बाहर के दरवाजे पर ताला बंद था। पुलिस की जानकारी पुख्ता थी तो कुछ पुलिस के जवानों दीवार पर चढ़कर एस्बेस्ट्स की छत पर छलांग लगाकर आंगन में दाखिल होने का प्रयास किया, लेकिन एस्बेस्ट्स की छत टूट गई और दीवार की ईंटें भी दरक कर गिर गई। जैसे ही पुलिस के जवान ने छलांग लगाई छत के नीचे बैठी महिला एस्बेस्ट्स व ईंट की चपेट में आ गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और वहां गांव वालों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया और महिला का इलाज करवाने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान तकरीबन एक घंटे तक पुलिस टीम को ग्रामीणों ने घेरे रखा। जब परिजनों को पता चला तो लोग दौड़कर आए और महिला को उठाया। इसी बीच सभी ग्रामीण एकत्रित होकर पुलिस से महिला की उचित इलाज की मांग करने लगे। आनन-फानन में पुलिस-प्रशासन की टीम ने महिला को निजी वाहन के द्वारा सदर अस्पताल भेजा ।पीड़िता आरती देवी ने बताया कि सुबह उठकर में घर से कामकाज को लेकर बर्तन धोने के लिए कुएं के पास गई थी। कुछ देर के लिए वह वहीं एस्बेस्ट्स के शेड के नीचे बैठ गई, लेकिन अचानक से कोई उसके ऊपर कूद गया और एस्बेस्ट्स व ईंट की चपेट में आकर वह घायल हो गई।

चंपई सोरेन का आरोप- मुख्यमंत्री हेमंत आदिवासियों के प्रति असंवेदनशील

पेसा कानून लागू न करने पर पूछे सवाल

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार आदिवासी समुदाय के प्रति असंवेदनशील है। उन्होंने कहा कि सरकार में अनुसूचित क्षेत्र का पंचायत विस्तार (पेसा) कानून लागू करने की इच्छाशक्ति का अभाव है।

चंपई सोरेन ने जमशेदपुर में आदिवासी महा दरबार को संबोधित किया। इस दौरान सोरेन ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए पेसा कानून की समीक्षा की थी और ग्राम सभा को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विशेष प्रावधान जोड़े थे, लेकिन मौजूदा सरकार इसे लागू ही नहीं करना चाहती।

चंपई सोरेन ने आगे कहा कि उन्होंने 24 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस समारोह के दौरान रांची के नगरी में जमीन जोतने की घोषणा की थी और सरकार को इसे रोकने की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा, कोल्हान और संथाल परगना क्षेत्रों समेत राज्य में उनके समर्थकों को रोकने की हर संभव कोशिश की गई, लेकिन हम उस जमीन के टुकड़े पर हल चलाने में कामयाब रहे जिस पर सरकार कृषि भूमि पर रिम्स-2 परियोजना विकसित करना चाहती थी।

आदिवासी समुदाय से नया आंदोलन छेड़ने की अपील: उन्होंने आदिवासी समुदाय से एकजुट होकर परंपरा, पहचान और संस्कृति की रक्षा के लिए नया आंदोलन छेड़ने की अपील की, जैसे हमारे पूर्वजों

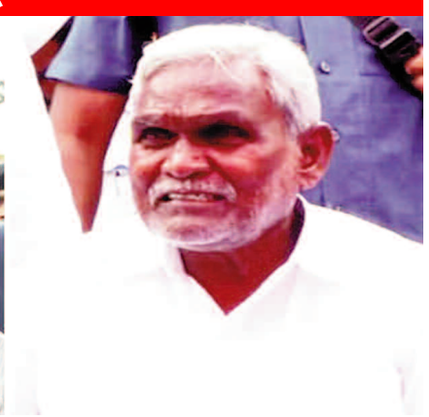

बाबा तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हो, पोटो हो, चांद भैरव और बिरसा मुंडा ने किया था। हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार हमारी आदिवासी स्वशासन व्यवस्था को सशक्त नहीं बनाना चाहती, बल्कि आदिवासी समुदाय को अबुआ-अबुआ (हमारा-हमारा) में उलझाए रखना चाहती है, ताकि कोई सवाल ही न उठ सके।

दानपात्र के जरिये जमीन हथियाने की प्रवृत्ति पर की टिप्पणी : चंपई सोरेन ने कहा, हम आदिवासी इस जमीन के मालिक हैं, लेकिन कुछ ताकतें चाहती हैं कि हम राशन की दुकानों से मिलने वाले अनाज और अनुदानों पर निर्भर रहें। अगर हमारी जमीन सुरक्षित हो और सिंचाई व्यवस्था मजबूत की जाए, तो हम आदिवासी दस परिवारों का पेट भर सकते हैं। दानपात्र के जरिये जमीन हथियाने की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह छोटानागपुर और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम को दरकिनार करने का जरिया बन गया है, ताकि हमारी जमीन लूटी जा सके।

22 दिसंबर को आदिवासी समुदाय की बुलाई गई महासभा : चंपई सोरेन ने चेतावनी दी कि 22 दिसंबर को दुमका जिले के भोगनादीह में आदिवासी समुदाय की बैसी (महासभा) बुलाई गई है, जिसमें जमीन वापस पाने और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

रांची, जामताड़ा के बाद जमशेदपुर में सबसे ज्यादा महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार, एनसीआरबी के आंकड़े कर देंगे हैरान

जमशेदपुर, एजेंसी। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले में जमशेदपुर झारखंड में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में 6,652 मामले दर्ज हुए। इनमें रांची और जामताड़ा के बाद जमशेदपुर तीसरे नंबर पर है। महिलाओं के खिलाफ अपराध दर (प्रति लाख जनसंख्या पर) जमशेदपुर में 38.1 है, जो राष्ट्रीय औसत 66.4 से कम जरूर है, लेकिन घरेलू हिंसा के मामले यहां लगातार बढ़ रहे हैं।

बीते एक साल में ही 100 से ज्यादा महिलाएं मदद के लिए वन स्टॉप सेंटर पहुंचीं। इन मामलों में ज्यादातर शिकायतें भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना, शारीरिक हिंसा और घर से बाहर निकालने की धमकी से जुड़ी थीं।

पूर्वी सिंहभूम जिले में संचालित वन स्टाप सेंटर में पिछले पांच वर्षों में तकरीबन 550 महिलाएं मदद के लिए पहुंचीं। इनमें से करीब 90 महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार थीं।

वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सह काउंसलर नीतू सिन्हा ने बताया कि जल्द ही घाटशिला और बहरागोड़ा में भी वन स्टॉप सेंटर शुरू किए जाएंगे। यहां पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे आश्रय, काउंसलिंग, चिकित्सा सुविधा और पुलिस सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं संकोच या संसाधनों के अभाव में शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं। नए सेंटर उनके लिए सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे।

वर्तमान में रेडक्रॉस भवन की ऊपरी मंजिल में अस्थायी रूप से चल रहे वन स्टाप सेंटर में केवल दो स्थायी कर्मचारी हैं-एक काउंसलर सह केंद्र प्रशासक और एक ऑपरेटर। जबकि यहां 12 पद स्वीकृत हैं। इसके अलावा पांच कर्मी प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे हैं। भवन ऊपरी मंजिल पर होने से यहां आने वाली दिव्यांग और पीड़ित महिलाओं को भारी दिक्कत होती हैं।

एनसीआरबी के मुताबिक, जमशेदपुर का अपराध दर भले ही राष्ट्रीय औसत से कम है, लेकिन घरेलू हिंसा के मामलों की अधिकता चिंताजनक है। कर्मचारी की कमी और असुविधाजनक भवन सेंटर की कार्यक्षमता पर सवाल उठाता है।

झामुमो का पीएम मोदी पर हमला: कहा- मणिपुर दौरा चुनावी साबित, जनता के दर्द की अनदेखी

रांची, एजेंसी। रांची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कड़ा प्रहार किया है। रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जब मणिपुर जल रहा था और वहां निर्दोष लोग हिंसा की भेंट चढ़ रहे थे, उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने चुप्पी साधे रखी और मणिपुर नहीं गए। लेकिन जैसे ही विधानसभा चुनाव करीब आया, अचानक प्रधानमंत्री को मणिपुर की याद आ गई और वे वहां पहुंचकर घोषणाओं की झड़ी लगाने लगे।

भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि मणिपुर की जातीय हिंसा ने देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हिंसा में 960 लोगों की मौत हुई, हजारों लोग घायल हुए और दस हजार से अधिक घर आग के हवाले कर दिए गए। आज भी पचास हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री को मणिपुर जाने में 870 दिन यानी 29 महीने लग गए। इस दौरान उन्होंने 44 देशों की यात्रा कर ली, लेकिन मणिपुर की जनता तक नहीं पहुंचे। झामुमो नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अब चुनावी मंच से सात हजार पक्के मकान बनाने की घोषणा की है। यह पैसा मोदी का नहीं बल्कि देश की जनता का है। उन्होंने याद दिलाया कि

2024 में हालात इतने बिगड़े कि वहां के मुख्यमंत्री को इस्तीफा तक देना पड़ा, लेकिन उस समय भी प्रधानमंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद मुख्यमंत्री का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। भट्टाचार्य ने व्यंग्य करते हुए कहा कि जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां प्रधानमंत्री मोदी जरूर पहुंचते हैं। मणिपुर का यह दौरा भी उसी कड़ी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री बिहार भी आने वाले हैं, क्योंकि वहां भी चुनाव है।

झामुमो प्रवक्ता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री बांटने की राजनीति करते हैं। कभी धर्म के आधार पर, तो कभी जाति के आधार पर। जबकि झारखंड की जनता भाजपा के इन हथकंडों को भलीभांति समझ चुकी है और इनके बहकावे में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार सभी समुदायों को साथ लेकर चल रही है और यही इसकी असली ताकत है।

अक्टूबर 2024 के बाद 18 साल पूरा कर चुके युवा नहीं डाल पाएंगे वोट

रांची, एजेंसी। राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में होने वाले चुनाव 2024 विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के आधार पर ही होंगे। जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में वोट डाला था या जिनका नाम पिछले विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची में था, वे ही निकाय चुनाव में वोट डाल पाएंगे। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि विधानसभा चुनाव के बाद अपना नाम ट्रांसफर कराने वाले वोटर भी पुरानी जगह पर ही वोट डाल सकेंगे। अक्टूबर 2024 से लेकर अब तक 18 वर्ष पूरा कर चुके युवा, वोट डालने से वंचित रह जाएंगे। वे फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने के लिए आवेदन तो दे सकते हैं, पर निकाय चुनाव की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं होगा। क्योंकि, विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने राज्य चुनाव आयोग को भेज दिया है। ऐसी संभावना है कि अक्टूबर में राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति हो सकती है। अभी आयोग में आयुक्त का पद खाली है।

हजारीबाग के जंगल में मुठभेड़, 1 करोड़ के इनामी के साथ दो नक्सली ढेर

रांची, एजेंसी। हजारीबाग के गिरहोर थाना क्षेत्र स्थित पनतीतरी जंगल में सोमवार की सुबह सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी माओवादी सहदेव सोरेन व अन्य दो माओवादी मारे गए। यह जंगल बोकारो व गिरिडीह के सीमावर्ती क्षेत्र में है।

सोमवार की सुबह कोबरा और गिरिडीह तथा हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने एक अभियान के दौरान जंगल में निकली थी। टीम को सूचना थी कि एक करोड़ का इनामी सहदेव सोरेन किसी बड़ी माओवादी घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। इसी सूचना पर पहुंची टीम के साथ माओवादियों की मुठभेड़ हो गयी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने जंगल में सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान में तीन शव बरामद हुए।

उसमें एक की पहचान एक करोड़ के इनामी माओवादी सहदेव सोरेन के रूप में हुई है। दूसरे माओवादी की पहचान रघुनाथ हेंब्रम उर्फ निर्भय उर्फ चंचल उर्फ बिरसेन के रूप में हुई है। वह माओवादियों का स्पेशल एरिया कमेटी (सैक) सदस्य था। उसपर राज्य सरकार ने 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रघुनाथ हेम्ब्रम गिरिडीह के डुमरी थाना क्षेत्र के जरीडीह का रहने वाला था। तीसरा नक्सली, क्षेत्रीय समिति सदस्य बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन, भी सुरक्षाबलों की कार्रवाई में मारा गया। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से तीन एके-47 ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए हैं। पुलिस मुख्यालय ने घटना की पुष्टि करते हुए इसे बड़ी उपलब्धि बताया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग एसपी, गिरिडीह एसपी और अन्य वरीय अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक नक्सलियों के खात्मे की दिशा में यह एक अहम सफलता मानी जा रही है। 6 महीने के भीतर यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है, जिसमें एक करोड़ का इनामी दूसरा माओवादी मर गया है। इसके पहले सुरक्षा बलों ने 21 अप्रैल को बोकारो जिले में एक करोड़ के इनामी माओवादी विवेक उर्फ प्रयाग मांझी सहित आठ माओवादियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था।

वह मुठभेड़ बोकारो के ललपनिया स्थित लुगुबुरु पहाड़ी की तलहट्टी में हुई थी। 6 महीने का भीतर सहदेव सोरेन भी मुठभेड़ में मारा गया है। मुठभेड़ में मारा गया एक करोड़ का इनामी सहदेव सोरेन हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के मंदेरी गांव का रहने वाला था। उसका पूरा नाम अनुज उर्फ सहदेव सोरेन उर्फ प्रवेश उर्फ अमलेश है। माओवादी संगठन में वह केंद्रीय कमेटी का सदस्य था। झारखंड सरकार ने उसपर एक करोड़ का इनाम घोषित कर रखा था। सहदेव सोरेन के मारे जाने के बाद अब झारखंड में एक करोड़ के इनामी माओवादियों की संख्या तीन है।

बीसीसीएल को कोविड सेस से मिली राहत, 113 करोड़ रुपये वापस करेगी झारखंड सरकार; हाई कोर्ट का फैसला

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल को अब कोविड सेस के रूप में प्रतिटन कोयले के एवज में राज्य खनन विभाग को दी जाने वाली दस रुपये की राशि नहीं देनी होगी, बल्कि पांच जुलाई 2023 के बाद झारखंड सरकार को दी गई रकम बीसीसीएल को वापस मिलेगी।

बीसीसीएल ने 113 .17 करोड़ की रकम वापसी का दावा कर दिया है। बीसीसीएल की ओर से दायर याचिका पर इस फैसले से बीसीसीएल को राहत मिली है।

इस फैसले से कंपनी की वित्तीय स्थिति सुधरेगी, कोयला लेने वाले उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा, क्योंकि कोविड सेस की रकम कंपनी उपभोक्ता से ही लेकर जमा करती थी।

बड़ी मात्रा में कोयला उठाने वाली पावर व नन पावर कंपनियों के साथ लिंकेजधारकों को इस फैसले से काफी

राहत मिलेगी। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सत्यजीत नारायण प्रसाद व अरुण कुमार राय ने 21 अगस्त को इस परिप्रेक्ष्य में फैसला सुनाया है।

शुक्रवार को बीसीसीएल प्रबंधन को इसकी कॉपी मिली है। इसकी पुष्टिएक वरीय अधिकारी ने की। मालूम हो कि 15 जुलाई 2025 से बीसीसीएल ने भी इस मद में राशि लेना बंद कर दिया है। बीसीसीएल हर दिन करीब एक लाख टन कोयला डिस्पैच करती है।

इसके अनुसार दस लाख रुपया रोज व हर माह तीन करोड़ रुपये उसे उपभोक्ता से नहीं लेने होंगे। झारखंड सरकार की ओर से छह जुलाई 2020 की अधिसूचना के तहत पांच जुलाई 2023 तक कोविड सेस के रूप में राशि देनी थी। बीसीसीएल ने नवंबर 2020 से कोविड सेस मद में प्रतिटन दस रुपये भुगतान शुरू किया था। 15 जुलाई 2025 के बाद इस मद उसने राशि देना व लेना बंद कर दिया। कई बार विभाग को पत्र भी लिखा कि अगर सरकार को पांच जुलाई के बाद राशि वसूल करनी है तो पत्र या संकल्प उपलब्ध कराए। न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बाद भी बीसीसीएल भुगतान करती रही।

खनन विभाग की ओर से कोई स्पष्ट पत्र नहीं मिलने पर बीसीसीएल ने 2024 में याचिका दायर कर दी। बीसीसीएल की ओर से अक्टूबर 2023-24 से फरवरी 2024 -2025 तक का ब्योरा दिया गया।

इसमें 113.17 करोड़ राशि वापसी का दावा किया गया। वहीं अधिसूचना के बाद जो भी राशि ली गई है, वित्त विभाग को उसकी सारी जानकारी राज्य सरकार को देनी होगी।

लगातार बारिश में चक्रधरपुर रेलवे कॉलोनी में बाढ़ के हालात, रेलवे क्वार्टर में घुसा नालियों का पानी

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर में लगातार हो रही तेज बारिश ने रेलवे कॉलोनी की स्थिति बेहद खराब कर दी है। कई इलाकों में नालियों का पानी भरकर रेलवे क्वार्टरों के अंदर घुस चुका है।

सबसे ज्यादा दिक्कत एकाउंट्स कॉलोनी और पोटरखोली छेत्र में देखने को मिल रही है, जहां ज्यादातर क्वार्टरों में नलियों का गंदा पानी भरने से रेलकर्मी और उनके परिवार वाले भारी परेशानी झेल रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेलवे प्रशासन नियमित रूप से नालियों की सफाई नहीं करता। नतीजतन नालियां जाम हो जाती हैं और हर बार भारी बारिश में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं।

रेलकर्मियों का कहना है कि जब भी ऐसी समस्या होती है तो विभाग सिर्फ तात्कालिक सफाई कराता है, लेकिन कुछ दिनों बाद नालियां फिर से गंदगी से भर जाती हैं, और बारिश में उन्हें बाढ़ जैसे हालात का सामना करना पड़ता है। बार-बार पानी घुसने से क्वार्टरों का सामान खराब हो रहा है और परिवारों का जीना मुश्किल हो गया है। लोग रातभर जागकर अपने सामान को बचाने और बारिश थमने का इंतजार करने को मजबूर हैं। कई रेलकर्मी दुविधा में हैं कि ड्यूटी पर जाएं या घर पर रहकर परिवार की सुरक्षा करें।रेलकर्मियों ने मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और लापरवाही बरतने वाले पर कार्रवाई की जाये, ताकि ऐसी परेशानी रेलकर्मियों को बार बार झेलनी ना पड़े। रेलकर्मियों का कहना है कि जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त किए बिना इस समस्या से राहत मिलना मुश्किल है।

लेमनग्रास के तेल ने दी जिंदगी को धार, 6 जिले के किसान होते हैं लाभान्वित

जामताड़ा, एजेंसी। मेरे पास अपनी जमीन नहीं थी। बावजूद इसके मैंने हार नहीं मानी और करीब 4.5 एकड़ जमीन लीज पर ली। वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त होने के बाद मैंने खेती को ही अपनी नई राह बनाया। परंपरागत खेती से हटकर मैंने लेमनग्रास की खेती शुरू की। इसके लिए मैंने करीब 7 लाख रुपए की लागत से बॉयलर, प्लांट, बिजली और पानी की व्यवस्था कर खेती का आधार तैयार किया। शुरुआत में लेमनग्रास की पौध पंजाब के जालंधर से मंगाई गई। अब निरंतर उसी पौधे से बीज लेकर खेती हो रही है।

पांच साल तक फसल देता है लेमनग्रास : एक बार खेत में लेमनग्रास लगाने के बाद पांच साल तक कटाई होती है। आज मैं लेमनग्रास से सालाना लगभग चार लाख रुपए की शुद्ध आमदनी कर रहा हूं। इसके साथ ही दस किसानों और युवाओं को भी रोजगार मिला है। यही वजह है कि क्षेत्र में मेरी पहचान बनी और किसान मुझसे प्रेरणा ले रहे हैं। मेरी सफलता को देखकर अब अन्य जिलों के किसान भी खेत पर पहुंचकर लेमनग्रास की खेती की तकनीक सीख रहे हैं।

औषधीय और सुगंधित पौधों देती है लंबा

फायदा : मेरा मानना है कि अगर किसान औषधीय और सुगंधित पौधों की ओर ध्यान दें तो उन्हें बेहतर आमदनी होगी। शुरुआती दौर में जरूर पूंजी लगती है, लेकिन एक बार सेटअप तैयार हो जाने के बाद लंबे समय तक मुनाफा मिलता है। संथालपरगना के 6 जिलों में जामताड़ा जिला में ही एकमात्र प्रोसेसिंग प्लांट है। संथालपरगना के विभिन्न जिला दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर जिले के किसान जामताड़ा जिला के फतेहपुर आकर लेमनग्रास खेती की बारीकियां को सिखाते हैं और प्लांट संचालन की तकनीकी जानकारी लेते हैं।

संथालपरगना के अन्य किसी भी जिले में लेमनग्रास से तेल निकालने का प्लांट नहीं होने की वजह से वहां के किसान अपने खेत में उपजाई हुए लेमन ग्रास फसल लेकर जामताड़ा आते हैं और यहां प्लांट से तेल निकलवा कर ले जाते हैं। पिछले वर्ष 40 से अधिक किसान विभिन्न जिलों से आकर यहां लेमनग्रास का तेल निकलवा कर ले गए हैं।

अधिक मुनाफा के कारण यूपी, पंजाब, राजस्थान से आते व्यापारी : एक एकड़ में करीब 12 किलो लेमनग्रास तेल निकलता है। बाजार में इसकी कीमत लगभग 900 रुपए प्रति लीटर है। यही कारण है कि यह खेती पारंपरिक खेती से कहीं ज्यादा लाभकारी साबित हो रही है। यूपी, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों के व्यापारी यहां से तेल खरीदते हैं। दवा और कॉस्मेटिक उद्योग में लेमनग्रास तेल की भारी मांग है। इसका इस्तेमाल साबुन, तेल, क्रीम समेत कई उत्पाद बनाने में होता है।

फतेहपुर प्रखंड के शिमलाडंगाल गांव निवासी जयशंकर प्रसाद प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। दो बेटियां जिनकी शादी हो चुकी है, और दो बेटे जो अन्य राज्यों में नौकरी कर रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने खेती को ही अपना जीवन बना लिया। आज वे लेमनग्रास की खेती से न सिर्फ अच्छी आमदनी कर रहे हैं, बल्कि युवाओं और किसानों के लिए प्रेरणा का स्तंभ भी बन चुके हैं। उन्हें देख पूरे संथाल परगना के किसान नई राह तलाश रहे हैं।

ड्रेस के मुताबिक कैसी हो इयररिंग

अधिकतर लड़कियों को इयररिंग काफी पसंद आते है। यह आपके ट्रेडिशनल ड्रेस को एक बेहतरीन लुक देने में मदद करते है। अगर आप भी हमेशा नए स्टाइल के इयरिंग कैरी करना पसंद करती है, तो हम आपको इस लेख में ड्रेस के मुताबिक इयरिंग के बारे में बता रहे जिन्हें अपनाकर आप परफेक्ट लुक पा सकती है।

सिंपल सूट को एकदम नया लुक देने के लिए अधिकतर महिलाएं इयररिंग कैरी करना चाहती है, क्योंकि एक परफेक्ट और ड्रेस के हिसाब से इयरिंग पहनने से आपका पूरा लुक ही बदल जाता है। यदि आपने लाइट कलर की कोई ड्रेस पहनी है, तो आप छोटे मोती वाले झुमके इसके साथ पहन सकती हैं। यदि आप ज्यादा हैवी इयरिंग पहनना पसंद नहीं करती है, तो आपके लिए ये इयररिंग बिलकुल परफेक्ट है। फंक्शन में अक्सर महिलाएं ट्रेडिशनल ड्रेस पहनना पसंद करती है। वहीं यदि आप इसके साथ ड्रेस के हिसाब से इयरिंग पहनती है, तो ये आपके लुक को बेहद खूबसूरत बना देता है। आप ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ गोल्डन इयररिंग कैरी कर सकती है। इनका फैशन एवरग्रीन है और सिंपल लहंगे को भी सुंदर बनाने के लिए इस तरह के इयररिंग बिल्कुल परफेक्ट रहते हैं।

अगर आप सिंपल सी प्रिंटिड साड़ी पहनती है, तो इनके साथ सिंपल झुमके कैरी कर सकती है। आप सिल्वर कलर के सिंपल झुमके इसके साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा सिल्वर कलर के इयररिंग भी कैरी कर सकती हैं। इयररिंग के साथ नेकलेस आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। जिसका लुक भी बहुत बढ़िया आता है। इसके लिए आप अपने ड्रेस के हिसाब से इयररिंग पहनें।

बस ख्याल इस बात का रखें कि जब भी आप हैवी इयररिंग और नेकलेस पहन रही है, तो लाइट मेकअप करें। ताकि आपका लुक बैलेंस हो सकें। सिंपल कुर्ती के साथ चांदबालियों का फैशन काफी ट्रेंडिंग है। इसे अधिकतर महिलाएं पसंद करती है। यदि आप नियमित कुर्ती कैरी करना पसंद करती है। तो आप स्टोन वाली चांदबाली पहन सकती है। इसके अलावा आप चांदबाली को सूट और लहंगे के साथ भी कैरी कर सकती है।

कहीं आपकी पर्सनैलिटी नेगेटिव तो नहीं?

इन तरीकों से पहचानें और ऐसे करें सुधार

क्या आपको लगता है कि आपकी बातों या व्यवहार से लोग दूर भागने लगे हैं? ऐसा हो सकता है कि अनजाने में आपकी पर्सनैलिटी में नकारात्मकता आ गई हो। ऐसे में, यह रिश्तों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपकी सफलता और मानसिक शांति में भी बाधा डाल सकती है। आइए, इस लेख में हम आपको ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे आप अपनी पर्सनैलिटी में नकारात्मकता को पहचान सकते हैं और उसे सकारात्मकता में बदल सकते हैं।

हम सभी के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब हम खुद में नकारात्मक महसूस करते हैं या कई बार हमारे मन पर नकारात्मक विचार हावी हो जाते हैं। वैसे तो यह स्वाभाविक है, लेकिन जब यह नकारात्मकता हमारी पर्सनैलिटी का स्थायी हिस्सा बन जाए और हमारे व्यवहार, बातचीत और दृष्टिकोण में झलकने लगे, तो यह चिंता का विषय बन सकता है। साइकोलॉजिस्ट के अनुसार, नकारात्मक पर्सनैलिटी आपके निजी और पेशेवर रिश्तों को खराब कर सकती हैं। साथ ही, यह आपकी मानसिक शांति, खुशी और सफलता के रास्ते में भी बाधा बन जाती है। कई बार लोग अनजाने में ही नेगेटिविटी के शिकार हो जाते हैं और उन्हें इसका एहसास भी नहीं होता है।

अपनी बातचीत पर गौर करें

आपकी बातचीत का तरीका और आपके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द आपकी पर्सनैलिटी की सबसे बड़ी पहचान होते हैं। क्या आपकी बातचीत में शिकायतें ज्यादा होती हैं? क्या आप अक्सर दूसरों की कमियां निकालते हैं या हर बात में नकारात्मक पहलू देखते हैं? क्या आप बातचीत को हमेशा निराशाजनक मोड़ पर ले जाते हैं? अगर हां, तो आपको अपने अंदर बदलाव लाने की जरूरत है। अपनी बातचीत में सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करना शुरू करें। किसी भी समस्या पर बात करते समय, उसके समाधान पर भी चर्चा करें। दूसरों की सराहना करें और उनकी सफलताओं को स्वीकार करें। नकारात्मक गपशप या शिकायतों में शामिल होने से बचें।

प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करें

आप अलग-अलग परिस्थितियों में कैसे प्रतिक्रिया करते हैं, यह आपकी मानसिकता को दर्शाता है। जब कोई चुनौती आती है, तो क्या आपकी पहली प्रतिक्रिया गुस्सा, निराशा या हार मान लेना होती है? क्या आप छोटी-छोटी बातों पर भी बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया करते हैं या हर बात को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं? तो हो सकता है कि आपके अंदर नेगेटिविटी है। इसे सुधारने के बारे में आपको विचार करना चाहिए। किसी भी स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से पहले एक पल रुकें और सोचें। भावनाओं के बजाय तर्क से काम लें। समस्याओं को सीखने के अवसर के रूप में देखें, न कि केवल बाधाओं के रूप में। अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने के लिए गहरी सांस लेने या ध्यान का अभ्यास करें।

अपने आसपास के लोगों को देखें

आप जिन लोगों के साथ समय बिताते हैं, वे अक्सर आपकी पर्सनैलिटी का आईना होते हैं। क्या आपके दोस्त और परिचित अक्सर नकारात्मक विचारों वाले हैं? क्या आप अक्सर ऐसे लोगों की संगति में रहते हैं जो शिकायत करते हैं, आलोचना करते हैं या नकारात्मक ऊर्जा फैलाते हैं? अगर ऐसा है तो आपके अंदर सकारात्मक बदलाव बहुत जरूरी है। आपको अपने आसपास सकारात्मक लोगों को शामिल करने का प्रयास करें। ऐसे लोगों के साथ समय बिताएं जो आपको प्रेरित करते हैं, आपका समर्थन करते हैं और आपको बेहतर बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यदि कुछ रिश्ते अत्यधिक नकारात्मक हैं और आप उन्हें बदल नहीं सकते, तो उनसे थोड़ा दूरी बनाए रखें।

कृतज्ञता का स्तर जांचें

कृतज्ञता एक शक्तिशाली सकारात्मक भावना है। इसकी कमी अक्सर नकारात्मकता का संकेत होती है। क्या आप अक्सर उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो आपके पास नहीं हैं, बजाय उन चीजों के लिए आभारी होने के जो आपके पास हैं? क्या आप दूसरों की मदद को कम आंकते हैं या उसे अपना अधिकार समझते हैं? तो इनसब नेगेटिव आदतों में सुधार करने की जरूरत है। हर दिन उन चीजों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने की आदत डालें, जिनके लिए आप आभारी हैं। एक कृतज्ञता जर्नल बनाएं और उसमें हर दिन कुछ चीजें लिखें। छोटी-छोटी खुशियों को पहचानना और उनका जश्न मनाना सीखें।

आत्म-आलोचना करें

आप खुद से कैसे बात करते हैं, यह भी आपकी नकारात्मकता का एक बड़ा संकेत हो सकता है। पहचानने के लिए आप खुद पर कुछ सवाल कर सकते हैं। जैसे- क्या आप खुद को अत्यधिक दोष देते हैं? क्या आप अपनी गलतियों को लेकर बहुत कठोर होते हैं और खुद को माफ़ नहीं करते? क्या आप दूसरों की गलतियों को तो माफ कर देते हैं, लेकिन अपनी गलतियों के लिए खुद को कोसते रहते हैं? इन सवालों के जवाब खुद से जानने के बाद आप अपने अंदर सकारात्मक बदलाव कर सकती हैं। खुद के प्रति दयालु और समझदार बनें। गलतियां करना मानवीय है। अपनी गलतियों से सीखें, लेकिन खुद को अत्यधिक दंडित न करें। खुद के प्रति वही दया दिखाएं जो आप एक अच्छे दोस्त के प्रति दिखाते हैं। आत्म-करुणा का अभ्यास करें।

किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना

दीपावली के पहले घरों की रंगाई-पुताई करवा रहे हैं, तो यह टिप्स आपको जरूर जानना चाहिए। क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिनों से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

घर की साफ सफाई करते वक्त खानपान का भी रखें ध्यान

सफ़ाई सुकून ज़रूर देती है लेकिन बहुत मेहनत व ध्यान मांगती है, जो थका देती है। इसीलिए शरीर को चाहिए भरपूर ऊर्जा और ताक़त। लेकिन हम हमेशा काम के बीच समय पर नहीं खा पाते या फिर भूल जाते हैं। अक्सर लोगों को घर की साफ़-सफ़ाई करने के बाद बहुत थकान, सिर दर्द और कमज़ोरी महसूस होने लगती है। समय पर खाते नहीं हैं तो सबसे बड़ा व पहला असर होता है एसिडिटी। इसके अलावा, समय पर खाना ना खाने पर शरीर का मेटाबॉलिज़्म धीमा हो जाता है, जिससे भारीपन लगता है।

सुबह का नाश्ता ज़रूर करें

सुबह का नाश्ता शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। इसमें आप पौष्टिक आहार लें, जैसे उपमा, पोहा या ओट्स बनाकर खा सकते हैं। भीगे हुए काले चनों को छौंककर भी खा सकते हैं जो कि एक अच्छा पौष्टिक आहार है। पकौड़े, सैंडविच जैसे भारी और तले हुए नाश्ते से बचें।

थोड़ा-थोड़ा खाते रहें

बादाम प्रोटीन और स्वस्थ वसा सहित कई आवश्यक पोषक तत्वों का एक प्राकृतिक स्रोत है। रात को 4-5 बादाम भिगो दें और सुबह छीलकर दूध के साथ अच्छी तरह से चबाकर खाएं। एक मुट्ठी मूंगफली काम के दौरान बीच-बीच में खाते रहें। गुड़ के साथ एक मुट्ठी मूंगफली दिन में एक बार ले सकते हैं। काम से विराम लेते हुए भुने हुए मखाने खा सकते हैं। तीन समय का आहार ज़रूर लें, लेकिन आवश्यकता से अधिक खाने से भी बचें क्योंकि इससे आलस आएगा और काम वहीं रुक जाएगा। खाना हल्का हो तो बेहतर है।

तरल बहुत ज़रूरी है

काम के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत ज़रूरी है। आप जहां भी काम कर रहे हैं वहां साथ में एक बोतल पानी ज़रूर रखें। पानी में आधे नींबू का रस, एक चुटकी नमक और एक चम्मच शक्कर मिलाकर घूंट-घूंट पीते रहने से ताज़गी बनी रहेगी और सिर दर्द भी नहीं होगा। यह एक तरह का एनर्जी ड्रिंक है, जो ऊर्जा बनाए रखने में मदद करेगा। इसी तरह फलों के रस और सब्ज़ियों से कई तरह के एनर्जी ड्रिंक तैयार कर सकते हैं।

ग़लत खाने से बचें

कुछ लोग काम करने के एक दिन पहले थोड़ा ज़्यादा खाना बना लेते हैं ताकि अगले दिन वही खा सकें और सारा ध्यान घर की साफ़-सफ़ाई पर लगा सकें। लेकिन बासी भोजन आपको बीमार कर सकता है। पेट दर्द, फूड पॉइज़निंग आदि समस्याएं बासी भोजन से हो सकती हैं। इसलिए भले आप खिचड़ी या रोटी-चटनी बना लें, लेकिन खाना ताज़ा ही होना चाहिए। साथ ही, खाना घर का बना ही खाएं।

काम थोड़ा आसान होगा

खाने के बाद काफ़ी बर्तन सिंक में इकट्ठे हो जाते हैं। अब घर की सफ़ाई करें या बर्तन धोएं, यह भी तो एक समस्या है। इसलिए खाना ऐसा बनाएं जिसे पकाने के लिए कम से कम बर्तनों का इस्तेमाल हो, जैसे कि वन पॉट रेसिपी आज़मा सकते हैं। वहीं, डिस्पोज़ेबल प्लेट और कटोरी का उपयोग कर सकते हैं जिस पर खाना खाकर बर्तन धोने की झंझट से बच सकेंगे। चम्मच और गिलास भी डिस्पोज़ेबल रख सकते हैं।

स्वच्छता का ध्यान रखें

घर की सफ़ाई के दौरान हमारे हाथ धूल से भर जाते हैं। नाखूनों में भी गंदगी समा जाती है। कुछ खाने के लिए भले आप हाथों को अच्छी तरह से धो लें, परंतु फिर भी हाथों से कुछ खाने की इच्छा नहीं होती। इसीलिए, बेहतर होगा कि आप हाथ के बजाय चम्मच से खाएं। भोजन बनाते वक़्त भी इस बात का ध्यान रखें कि आप जो भी बना रहे हैं उसे हाथ से न खाना पड़े।

ग्रो आईपीओ नवंबर में हो सकता है ओपन, इस हफ्ते कंपनी उठाने जा रही है बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्टिव यूजर्स के मामले में भारत के सबसे बड़े इंवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो का आईपीओ जल्द ही दस्तक दे सकता है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी 80,000 करोड़ रुपये (9 बिलियन डॉलर) के वैल्यूएशन पर आईपीओ लाने की तैयारी में है। बता दें, कंपनी की शेयर बाजार में नवंबर में लिस्टिंग हो सकती है।

मजबूत नतीजों की वजह से वैल्यूएशन में हो सकता है इजाफा- रिपोर्ट के अनुसार ग्रो इस हफ्ते अपडेटेड डीआरएचपी दाखिल करेगा। कंपनी भारत की कुछ टेक स्टार्टअप स्टार्टअप कंपनियों में से एक है, जो प्रॉफिट बना रही है। बता दें, पहले कंपनी की तैयारी 7 से 8 बिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर आईपीओ लाने की थी। लेकिन वित्त वर्ष 2025 में ग्रो के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में अच्छे प्रदर्शन के बाद अब अधिक वैल्यूएशन की उम्मीद हर कोई कर रहा है।

नेट प्रॉफिट में 3 गुना इजाफा- वित्त वर्ष 2025 में ग्रो का कुल नेट प्रॉफिट 1819 करोड़ रुपये रहा था। जोकि तीन गुना बढ़ गया। बीते वित्त वर्ष कंपनी का कुल रेवन्यू 4056 करोड़ रुपये रहा था। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने पहली तिमाही में भी प्रॉफिट बनाया है।

डायरेक्टर के इस्तीफे ने मचाई हलचल, शेयर क्रैश, 12 प्रतिशत से अधिक टूटा केआरबीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। चावल निर्यात करने वाली कंपनी केआरबीएल के शेयर 15 सितंबर को एक दिन में ही 12 प्रतिशत गिर गए। यह गिरावट तब देखने को मिली जब कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक अनिल कुमार चौधरी ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस (कंपनी के मैनेजमेंट) से जुड़ी चिंताओं को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले तीन सालों में यह सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट थी।

सीएनबीसी टीवी-18 की खबर के मुताबिक चौधरी ने कंपनी के बोर्ड को लिखे अपने इस्तीफे के पत्र में कहा कि बोर्ड का मौजूदा माहौल प्रभावी मैनेजमेंट के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए स्वतंत्र निगरानी जरूरी है, लेकिन यहां ऐसा नहीं हो पा रहा है।

कई गंभीर मुद्दों पर चिंता- चौधरी ने अपने पत्र में कई गंभीर मुद्दों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बोर्ड और समितियों की बैठकों के मिनट्स (लिखित रिकॉर्ड) को सही तरीके से दर्ज नहीं किया गया। कई बार महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाया गया, जिससे सही फैसले लेने में दिक्कत हुई। बिना उचित चर्चा के कुछ एक्सपोर्ट रिसीवेबल्स (बकाया राशि) को भी बिना वजह लिखा गया।

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के फंड के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए। साथ ही, पद पर बैठे कुछ लोगों के वैरिएबल पे (परिवर्तनीय वेतन) और सालाना वेतन वृद्धि को लेकर भी मनमाने फैसले हुए। बोर्ड की बैठकों में आमंत्रित लोगों का अनुचित हस्तक्षेप भी एक बड़ी चिंता का विषय रहा।

असंतोष को नहीं मिलती जगह- चौधरी ने अपने पत्र में आगे लिखा, ऐसे काम करने के माहौल में जहां असंतोष को दबाया जाता है या नजरअंदाज किया जाता है, बोर्ड पर बने रहना मेरे पेशेवर आचार संहिता और भारतीय कॉर्पोरेट गवर्नेंस कोड के तहत परिभाषित दायित्वों, दोनों से समझौता करना होगा। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में वह बोर्ड के कामकाज में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर सार्थक योगदान नहीं दे पाएंगे।

मुफ्तखोरी, सरकारी कंपनियां... चीन की तरह तरक्की नहीं कर सकता भारत

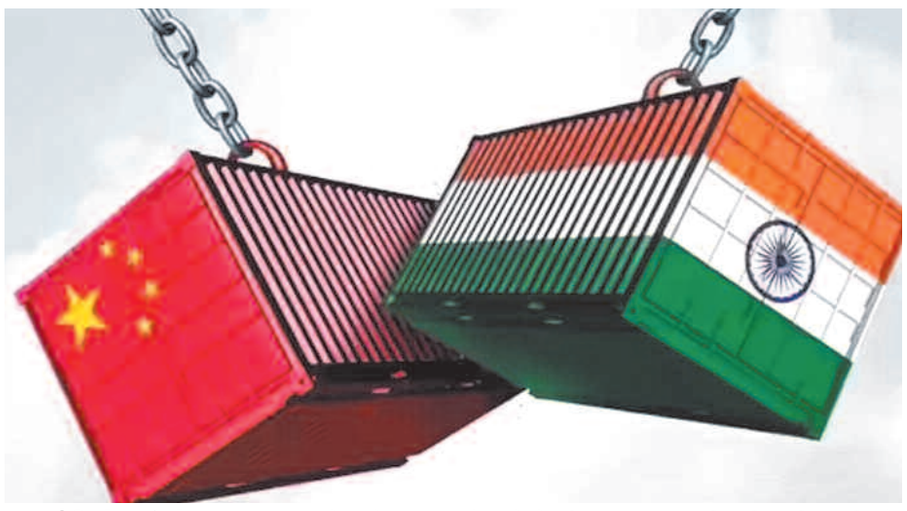

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या भारत आने वाले समय में चीन को पीछे छोड़ सकता है शायद नहीं। ऐसा मानना है जाने-माने अर्थशास्त्री और फंड मैनेजर रुचिर शर्मा का। रुचिर शर्मा का मानना है कि भारत कभी भी चीन की तरह डबल डिजिट में विकास नहीं कर पाएगा। उन्होंने इसके पीछे दोनों देशों के बीच के कुछ बुनियादी अंतरों को बताया है। उनका कहना है कि भारत में मुफ्त चीजें देने की संस्कृति यानी फ्रीबीज के चलते ऐसा विकास होना नामुमकिन है।

क्या कहा एक्सपर्ट ने- एक सवाल के जवाब में शर्मा ने कहा कि अगर भारत 10 से 11 फीसदी की दर से विकास करने का लक्ष्य रखता है, तो उसे क्या दिक्कतें आएंगी। उन्होंने कहा, भारत कभी भी 10-11 प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ पाएगा। क्योंकि हमारे पास चीन की तरह सुधार करने की क्षमता नहीं है। चीन में लोगों को मुफ्त चीजें नहीं दी गईं और उनसे कहा गया कि जहां मन करे, वहां जाकर काम करो।

एक्सपर्ट ने नुकसान में चल रहे सरकारी उद्यमों के बारे में भी अपना राय रखी। चीन की तरक्की को लेकर कहा, उन्होंने अपने नुकसान में चल रहे सभी सरकारी उद्यमों को बेच दिया। भारत में ऐसा कहां होने वाला है चीन में 1990 के दशक में कम से कम 10 करोड़ लोगों को सरकारी उद्यमों से निकाल दिया गया था- उनसे कहा गया कि जाओ। भारत में ऐसा होना मुमकिन नहीं है। तो, भारत में यह कैसे होगा यह नहीं होगा।

प्रति व्यक्ति आय में काफी अंतर

शर्मा ने आगे कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी भी 3,000 डॉलर है, जबकि चीन की 10,000 डॉलर से ज्यादा है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा, अगर अगले 10 सालों में चीन की विकास दर सिर्फ 2-3 प्रतिशत रहती है, और हमारी 6-7 प्रतिशत रहती है, तो भी हमें चीन से आगे निकलने में कम से कम 20 साल लगेंगे। इसका मतलब है कि चीन अभी भी आर्थिक रूप से भारत से बहुत आगे है।

कैसे हो सकती है तरक्की

रुचिर शर्मा ने देशों के सफल होने के कुछ नियम भी बताए। उनके अनुसार, सबसे पहला नियम है कि राजनीतिक नेतृत्व संकट के समय में उभर कर आए। उन्होंने कहा, किसी भी देश में सबसे ज्यादा सुधार तब होते हैं जब कोई नया राजनीतिक नेता आता है और देश किसी समस्या का सामना कर रहा होता है। क्योंकि उस समय, लोग खुद भी बदलाव चाहते हैं।

दूसरा नियम है जनसंख्या। शर्मा ने कहा कि कोई भी देश जहां जनसंख्या घट रही है, तेजी से विकास नहीं कर सकता है। जनसंख्या उच्च आर्थिक विकास के लिए जरूरी है, लेकिन यह काफी नहीं है।

तीसरा नियम है करेंसी। शर्मा ने कहा, हम यह सोचते हैं कि एक मजबूत करेंसी अच्छी होती है, लेकिन वास्तव में मुद्रा जितनी सस्ती होगी, उतना ही बेहतर होगा- क्योंकि इससे निर्यात बढ़ता है और निवेश आता है। इसलिए मेरे लिए, एक स्थिर और सस्ती करेंसी किसी देश के लिए अच्छा करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एक शक्तिशाली करेंसी केवल नुकसान और नुकसान लाती है।

अभी लगेगा काफी समय

आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, एफवाय26 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि चीन की विकास दर लगभग 4.5 प्रतिशत तक धीमी होने की उम्मीद है। हालांकि भारत विकास दर में चीन से आगे निकल सकता है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय में बड़ा अंतर होने का मतलब है कि बराबरी करने में दशकों लग जाएंगे। इसका मतलब है कि भारत को चीन के बराबर पहुंचने में अभी बहुत समय लगेगा।

धरा रह गया ट्रंप का टैरिफ, टूट गए सारे रेकॉर्ड! 5 महीने में स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 1 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिग्गज टेक कंपनी ऐप्पल को भारत में प्रोडक्शन बंद करने को कहा था। लेकिन उनकी इस धमकी का उल्टा असर होता दिख रहा है। इस फाइनेंशियल ईयर के पहले पांच महीनों में भारत से स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यह पिछले साल के मुकाबले 55 फीसदी अधिक है। पिछले फाइनेंशियल ईयर के पहले पांच महीनों में भारत ने 64,500 करोड़ रुपये के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए थे।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में वेंडर और इंडस्ट्री द्वारा सरकार को दिए गए डेटा के आधार पर यह दावा किया गया है। इस दौरान ऐप्पल के दो वेंडर्स टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन ने 75,000 करोड़ रुपये के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए। फाइनेंशियल ईयर 2023 में भारत ने कुल 90,000 करोड़ रुपये के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए थे जबकि इस बार पहले पांच महीने में ही यह आंकड़ा 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम के कारण एक्सपोर्ट में यह उछाल आई है। फाइनेंशियल ईयर 2023 के बाद हर साल एक्सपोर्ट 50 फीसदी बढ़ा है।

11 साल का सफर

पीएलआई के हालिया रिव्यू में मंत्रालय ने कहा कि स्मार्टफोन की वैल्यू एडिशन 2021 में 5-6 फीसदी थी जो 2025 में 19 फीसदी हो गया है। सरकार का कहना है कि उसके 50,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इस साल स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 30 से 35 अरब डॉलर पहुंच सकता है जो पिछले साल 24 अरब डॉलर था। पिछले 11 साल में भारत ने इसमें काफी उन्नति की है। 2015 में हम एक्सपोर्ट के मामले में 167वें नंबर पर थे जबकि 2025 में टॉप पर पहुंच गए। पिछले साल भारत ने 2 लाख करोड़ रुपये के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए।

कंपनी को कर्मचारियों का विश्वास फिर से जीतने के लिए प्रयास करना होगा: सत्य नडेला

नई दिल्ली, एजेंसी। हालिया छंटनी और ऑफिस वापसी के फैसलों के बाद अब माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ का सत्य नडेला का नया बयान चर्चा में है। रिपोर्ट के अनुसार सत्य नडेला ने कहा है कि कंपनी को कर्मचारियों का विश्वास फिर से जीतने के लिए प्रयास करना होगा। सत्य नडेला ने यह बात कर्मचारियों के साथ हुए एक सेशन में कही।

क्या कुछ बोले हैं सत्या नडेला

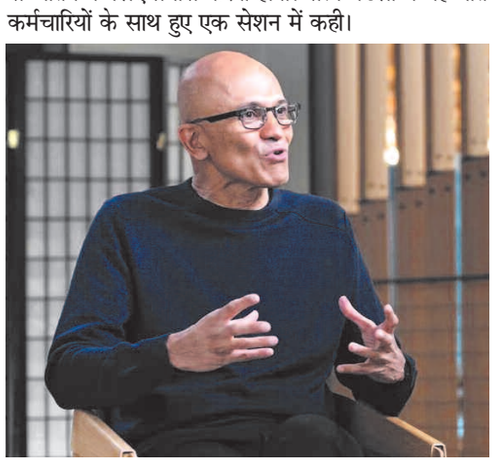

सेशन के दौरान ने सीईओ से कहा कि उन्हें कंपनी के कार्यपद्धति में सहानुभूति की कमी नजर आती है। इस पर जवाब देते हुए नडेला ने कहा कि यह काफी अच्छा प्रदर्शन है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार नडेला ने कहा कि इसे मैं और लीडरशिप टीम के सभी सदस्य फीडबैक के तौर पर लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट के चीफ एचआर एमी कोलमैन ने कहा कि उन्हें रिटर्न टू ऑफिस पॉलिसी पर मिला-जुला रिएक्शन प्राप्त हुआ है। कुछ कर्मचारियों को अपनी स्वतंत्रता खोने का डर है। आंकड़ों के अनुसार डाटा से पता चलता है कि कंपनी के स्टाफ का हर हफ्ते ऑफिस में मौजूदगी औसतन 2.4 दिन है। सत्य नडेला का ऑफिस बुलाए जाने पर कहना है कि नए कर्मचारियों और इंटर्न के लिए रिमोट वर्क में ठीक से मेंटरशिप नहीं हो पाती है।

इस बात को लेकर चेताया

सत्य नडेला ने स्टॉफ को आने वाले समय की चुनौतियों से भी अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा तैयार किए गए कई बड़े बिजनेस आने वाले समय में प्रासंगिक नहीं रह जाएंगे। आज जो हमें फायदे मिले रहे हैं हो सकता है कि कल वो ना मिलें। इसका मतलब है कि हम सभी को उससे बहुत आगे रहना होगा। आने वाले समय में हमें और कठिन काम करने होंगे। कठिन प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। जिससे चीजें बेहतर की जा सकें। उन्होंने कर्मचारियों को ईमानदार रहने की भी बात कही है।

इस रिपोर्ट की भी हुई चर्चा

इस मीटिंग में गार्जियन की उस रिपोर्ट की भी चर्चा हुई जिसमें कंपनी पर आरोप लगाया गया था कि इजरायली सेना ने गाजा विवाद के दौरान फिलिस्तिनियों की काल रिकॉर्डिंग के लिए माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड का प्रयोग किया था। माइक्रोसॉफ्ट ने उन 5 कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया था जिन्होंने तब कंपनी की भूमिका को लेकर प्रदर्शन किया था।

तरक्की का पिन कोड है इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को सुलभ बना रहा

India Post Payments Bank

नई दिल्ली, एजेंसी। 8 साल पहले जब इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की नींव रखी गई, तब मकसद सिर्फ खाते खोलना नहीं था बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि देश का कोई भी कोना और कोई भी नागरिक औपचारिक अर्थव्यवस्था से बाहर न रह जाए। आज यह सपना हकीकत में बदल चुका है।

आज जब पत्रों को अतीत की धरोहर समझकर भुला दिया गया है, भारतीय डाक व्यवस्था दिखा रही है कि असली विकास बदलाव और समय के साथ कदम मिलाने में है। देशभर में फैले 1.6 लाख से ज्यादा डाकघरों के विशाल नेटवर्क के साथ डाक विभाग अपनी नई कहानी लिख रहा है। कभी यह सफर दुनिया का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनने तक पहुंचा। अब यह आम लोगों तक आर्थिक स्वतंत्रता, सशक्तिकरण और नए अवसर पहुंचाने का जरिया बन गया है वह डाकिया, जो कभी उम्मीद और अपनापन बांटने वाले खत पहुंचाता था, आज हर दरवाजे तक वित्तीय सुविधा और गरिमा की डोर थमा रहा है।

डिजिटल लेनदेन

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बैंकिंग सुविधा छोटे-छोटे इलाकों तक पहुंच चुकी है, तब इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की जिंदगी बदल रहा है। इसने हर ग्रामीण खाते को डिजिटल दुनिया से जोड़कर भारत को उस भविष्य की ओर बढ़ाया है, जहां 2026 तक लगभग 65 प्रतिशत लेनदेन डिजिटल माध्यम से होंगे। तकनीक को अपनाकर नए साझेदार जोड़कर और सेवाओं का दायरा बढ़ाकर डाक विभाग ने आईपीपीबी के जरिए साधारण डाकघरों को सच्चे मायनों में ग्रामीण वित्तीय केंद्र बना दिया है।

विश्वास का सम्मान

आईपीपीबी की हर सेवा आधार सक्षम और कागज रहित जरूर है, लेकिन उसे पहुंचाने वाले हैं भरोसेमंद डाकिया। अब तक 100 करोड़ से अधिक डोरस्टेप सेवाएं पूरी की जा चुकी हैं। हर सेवा अपने आप में सशक्तिकरण की एक कहानी है भारत पोस्ट पेमेंट्स बैंक के 8वें स्थापना दिवस पर हम केवल एक संस्था के उदय का उत्सव नहीं मना रहे, बल्कि विश्वास, सेवा और निरंतरता का सम्मान कर रहे हैं।

सुरक्षित और पारदर्शी

आज आईपीपीबी की जमा राशि 20,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है। केवल राजस्व ही 2,200 करोड़ रुपये है और 134 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया गया है। पिछले दो वर्षों में 60-70 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर हासिल करना किसी चमत्कार से कम नहीं अब तक 1,300 करोड़ से अधिक डिजिटल लेनदेन किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 13 लाख करोड़ रुपये है। यह उपलब्धि भारत को दुनिया के उन देशों की कतार में खड़ा करती है, जो रियल टाइम डिजिटल पेमेंट्स में वैश्विक नेतृत्व कर रहे हैं। आईपीपीबी देश में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को भी सुलभ बना रहा है। इससे सब्सिडी, मजदूरी और पेंशन पारदर्शी तरीके से नागरिकों तक पहुंच रही है।

पूर्वोत्तर की कहानी

स्थापना से अब तक आईपीपीबी ने पूर्वोत्तर में 51 लाख से अधिक खाते खोले हैं। 8,500 से अधिक डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक रोजाना उन गांवों तक पहुंचते हैं, जहां के लोगों के लिए कभी बैंक जाना पूरे दिन का सफर हुआ करता था। आज असम और मेघालय में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के जरिए क्यूआर कोड से भुगतान स्वीकार कर रही है, अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में पेंशन व सब्सिडी सीधे घरों तक पहुंच रही है।

सोने-चांदी के भाव में थोड़ी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज सोने-चांदी के भाव में थोड़ी गिरावट नजर आ रही है। 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत 112891 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 131595 रुपये प्रति किलो पर है। आज 24 कैरेट गोल्ड 104 रुपये सस्ता होकर बिना जीएसटी 109603 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं चांदी के रेट में 45 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। आज यह बिना जीएसटी 127763 रुपये पर खुली।

इस सितंबर में सोना 7215 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 10191 रुपये का उछाल आया है। आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के अंतिम कारोबारी दिन को सोना 102388 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बंद हुआ था। चांदी भी 117572 रुपये प्रति किलो के रेट पर बंद हुई थी। आइबीजेए के मुताबिक शुक्रवार को 109707 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर

चांदी बिना जीएसटी 128008 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

कैरेट के हिसाब से आज गोल्ड के भाव- आज 23 कैरेट गोल्ड भी 104 रुपये गिरकर 109164 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 112438 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।

22 कैरेट गोल्ड की कीमत 96 रुपये कम होकर 100396 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जीएसटी संग यह 103407 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 78 रुपये टूटकर 82202 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली और जीएसटी के साथ यह 84668 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं 14 कैरेट गोल्ड अब जीएसटी समेत 66041 रुपये पर पहुंच गया है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

अब यूपीआई स्कैन से निकाल सकेंगे कैश, नहीं पड़ेगी एटीएम जाने की जरूरत, एनपीसीआई की बड़ी तैयारी!

नई दिल्ली, एजेंसी। अब स्मार्टफोन से कैश निकालना और आसान होने जा रहा है। देश में हर जगह इस्तेमाल होने वाला यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस), जो अभी तक पैसे भेजने, बिल चुकाने और ऑनलाइन खरीदारी के लिए इस्तेमाल होता है। अब कैश विड्रॉल के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। खबर है कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया अब क्यूआर कोड स्कैन कर कैश निकालने की सुविधा भी शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए लाखों बिजनेस करेस्पॉन्डेंट्स, जैसे कि किराना दुकानदार या छोटे सर्विस प्वाइंट, क्यूआर कोड देंगे। ग्राहक अपने मोबाइल में किसी भी यूपीआई ऐप से कोड स्कैन करके नकद निकाल पाएंगे।

क्या है डिटेल

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जो देश में रिटेल पेमेंट्स और सेटलमेंट सिस्टम चलाने वाली संस्था है) उसने ऋबीआइ से अनुमति मांगी है कि यूपीआई के जरिए नकद निकासी की सुविधा बिजनेस करेस्पॉन्डेंट्स पर भी दी जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, NPCI के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह सुविधा अभी योजना के स्तर पर है और इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

बता दें कि आज की तारीख में यूपीआई से कार्डलेस कैश निकासी सिर्फ उन्हीं एटीएम या कुछ चुनिंदा दुकानदारों से ही संभव है। वहां भी एक सीमा है। जैसे शहरों और कस्बों में हर ट्रांजैक्शन पर सिर्फ 1,000 तक नकद मिल सकता है। ग्रामीण इलाकों में यह सीमा 2,000 तक है। अब योजना बनाई जा रही है कि इस सुविधा को पूरे देश के 20 लाख से ज्यादा बिजनेस करेस्पॉन्डेंट्स तक फैलाया जाए।

बीसीएस कौन होते हैं

ये छोटे-छोटे केंद्र या लोग होते हैं जो अक्सर दूरदराज या बैंकिंग सुविधाओं से वंचित इलाकों में रहते हैं और बैंक शाखाओं का एक्सटेंशन बनकर काम करते हैं। यानी ये लोगों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करते हैं। बता दें कि एनपीसीआई ने ही साल 2016 में यूपीआई को बनाया और लॉन्च किया था।

कैसे करेगा काम-

सरकार और बैंकिंग सेक्टर यूपीआई से नकद निकासी को और आसान बनाने पर काम कर रहे हैं। जब कोई ग्राहक बीसी आउटलेट पर जाएगा, तो वह यूपीआई से क्यूआर कोड स्कैन करेगा।

अभी क्या विकल्प मौजूद हैं

फिलहाल ग्राहक बीसीएस के पास मौजूद माइक्रो-एटीएम मशीनों से एटीएम कार्ड डालकर पैसा निकाल सकते हैं। लेकिन यह तरीका बहुत कम इस्तेमाल होता है।

आज बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और महेदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजो को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश – लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान – राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप
मीनाक्षी को गोल्ड मेडल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्रेमियों के लिए पहली खुशखबरी अंग्रेजों के देश से आई थी जब लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की दो बेटियो ने गोल्ड मेडल जीते। पहला मेडल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में आया। जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। फिर करीब शाम 4 बजे मीनाक्षी ने 48केजी वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से मात की। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल अपने नाम किए। इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुक्केबाज बेटियों को बधाई दी।

- **सर्वेश कुशारे हाई जंप के फाइनल में पहुंचने वाले भारतीय** – शाम होते-होते टोक्यों में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से एक और अच्छी खबर आई। 30 साल के सर्वेश कुशारे 2.25 मीटर की छलांग लगाकर हाई जंप इवेंट के फाइनल में पहुंच गए। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं।कुशारे का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है और यह उन्होंने 2022 में दर्ज किया था। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.26 मीटर है। उन्होंने 2023 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन

- **फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया, सारांश जैन प्लेयर ऑफ द सीरीज**

नईदिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल जोन ने 11 साल बाद दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया

है। टीम ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया। सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। इससे पहले 2014 में यह खिताब सेंट्रल जोन ने जीता था। सेंट्रल जोन को जीत के लिए महज 65 रन का टारगेट मिला था। टीम ने सोमवार को मुकाबले के पांचवें और आखिरी दिन 4 विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले, चौथे दिन साउथ जोन अपनी दूसरी पारी में 426 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन को महज 65 रन का टारगेट ही मिल सका। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर गुरुवार को सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। साउथ जोन पहली पारी में 149 रन ही बना सका। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 362 रन की बढ़त हासिल की थी।

टॉस के वक्त ही तय हो गई थी भारत की जीत

पाकिस्तान ने कीं 3 बड़ी गलतियां, टीम इंडिया का पाक पर जीत का सिक्सर

दुबई (एजेंसी)। 2011 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद एक दुखी पाकिस्तानी फैन ने यह जुमला दिया था। रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने इसे फिर सही साबित कर दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में 3 बड़ी गलतियां कीं और शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने तीनों का बखूबी फायदा उठाया। इनमें से एक गलती तो मैच की पहली गेंद फेंके जाने से भी पहले हो गई थी और संभवतः उसी वक्त पाकिस्तान की हार भी तय हो गई।पाकिस्तान की तीनों गलतियों को विस्तार से जानेंगे, उससे पहले बतौर भारतीय फैन गर्व करने लायक एक रिकॉर्ड जान लीजिए। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार छठी जीत है।

- **पहली गलती : जहां 18 में से 16 मैच चेजिंग टीम ने जीते वहां पहले बैटिंग चुनी** – दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर टारगेट का पीछा करने वाली टीम को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। पिछले 5 साल में दुनिया की टॉप-12 टीमों के बीच यहां खेले गए पिछले 18 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 16 में टारगेट चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम पिछले 13 साल में भारत को सिर्फ दो टी-20 मैच हरा पाई थी। दोनों जीत भी इसी ग्राउंड पर दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए मिली थीं। इसके बावजूद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला कर लिया। इरफान पठान, अजय अडेजा, संजय मांजरेकर जैसे कमेंटेटर्स ने सलमान के इस फैसले पर हैरानी जताई।
- **दूसरी गलती : टॉप विकेट टेकर हारिस रउफ को प्लेइंग-11 से बाहर रखा** – पाकिस्तान के एशिया कप स्क्वॉड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सात विकेट तेज गेंदबाज हारिस रउफ के नाम था। इसके बावजूद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के सामने अपने सबसे कामयाब गेंदबाज को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी शुरुआत में ही पिट गए और दूसरे छोर से कोई दमदार फास्ट बॉलर न होने का खामियाजा पूरी टीम ने भुगता।

सूर्या ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की, 'भारत माता' की नारे से गूंजा स्टेडियम

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थी।

खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के वक्त भी सूर्या ने [illegible] कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है।भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

सूर्या ने कहा- हम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के साथ – रविवार की सूर्यकुमार यादव का 35वां जन्मदिन था और स्टेडियम में फैंस ने उन्हें बधाई दी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होस्ट संजय मांजरेकर ने उनके लिए हैप्पी बर्थ-डे सॉन्ग भी गाया। सूर्या ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा यह जीत भारत को रिटर्न गिफ्ट है ।प्रजेंटेशन के अंत में सूर्या ने कहा, हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता दिखाते हैं और आज की जीत इंडियन आर्म्ड फोर्स को डेडिकेट करते हैं।

सूर्या ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया

टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम गई, दरवाजा बंद कर लिया; अब पीसीबी ने रेफरी हटाने की मांग की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस के दौरान या जीत के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया। इससे निराश पाकिस्तान कप्तान सलमान आगा मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ही शामिल नहीं हुए। अब [illegible] ने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की है।पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने के सवाल पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, एशिया कप के मामले में बीसीसीआई और सरकार का रुख साफ है। इसी के तहत बतौर टीम मैनेजमेंट हमने फैसला लिया। वहीं, पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा, हमारी टीम मैच के बाद हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में पता चला कि भारत ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

पीसीबी ने शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मैच के कुछ घंटे बाद एक बयान में कहा, हमारे टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया, क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था। फिलहाल मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस शिकायत के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पैंतरा बदला। पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल से रेफरी की ही शिकायत कर डाली। उसने एसीसी से मैच रेफरी को बदलने की मांग की है।

हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे- सूर्या

इसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 127 रन बनाए। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15.5 ओवर में 131 रन बनाकर जीत हासिल की। सूर्या ने छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। सूर्या ने यह जीत भारतीय सेना को समर्पित की, जो मई में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल थे।

भारत-ए की टीम ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ बैलेंस्ड होगी

चीफ कोच बोले- श्रेयस अय्यर तैयार, यह सीरीज सीनियर टीम से पहले बड़ा मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच चार दिवसीय टेस्ट मैच से पहले इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भारत-ए के चीफ कोच ऋषिकेश कनिटकर ने टीम इंडिया और कैप्टन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- टीम बैलेंस्ड है और श्रेयस अय्यर तैयार हैं। वह सभी फॉर्मेट के अच्छे प्लेयर हैं। उनका माइंडसेट क्लियर है। टेस्ट क्रिकेट में भी उन्होंने सेंचुरी जड़ी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका है।इंटरनेशनल एक्सपीरियंस खिलाड़ियों को मिलेगा।इसमें से अधिकतर प्लेयर्स दिलीप ट्रॉफी का मैच खेल चुके हैं।

- **कोच बोले- यह आइडल टूर्नामेंट है** – मुख्य कोच ने कहा कि इसमें यह नेक्स्ट लेवल है, जिसमें वह सीनियर टीम के लिए मौका पाएंगे। यह आइडल टूर्नामेंट है। इसमें अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी सीनियर टीम में खेलने का मौका पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए खेलने वाले खिलाड़ी निश्चित तौर पर आगे सीनियर टीम का हिस्सा होंगे।

सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटके थे, मैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया है। उन्होंने इस रेस में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रॉ कराने में कामयाब रहा।

5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए – 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185.3 ओवर डाले।

ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटके थे

सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

हेनरी और सिल्स का प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए।
वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफॉर्म किया।

सौरव गांगुली का फिर बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन प्रेसिडेंट बनना संभव

उनके खिलाफ किसी प्रत्याशी का नॉमिनेशन नहीं, बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली एक फिर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। उन्होंने केब के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। उनके खिलाफ किसी और प्रत्याशी ने नामांकन नहीं भरा है। ऐसे में उम्मीद है कि वह 22 सितंबर को होने वाले केब चुनाव में वे अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे।

हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा- गांगुली – गांगुली ने रविवार को एक बयान में कहा, मैं सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। केब में कोई विपक्ष नहीं है। हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा है। हम सब मिलकर केब और बंगाल क्रिकेट को आगे ले जाएंगे। आगे आने वाले सीजन में ईडन गार्डन्स को

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, मेंस टी-20 वर्ल्ड कप और बंगाल प्रो टी-20 लीग की मेजबानी करनी है। मैं इसके सफल मेजबानी की पूरी कोशिश करूंगा। सौरव गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा। वे इससे पहले 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं।

2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे – इससे पहले भी गांगुली 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके बाद वह 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहे। तब से वे टी-20 फ्रेंचाइजी सर्किट में कई टीमों के साथ जुड़े रहे हैं। वे 2021 में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था।

- **गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा** – गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली। गांगुली ने अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े। उनका वनडे में बेस्ट स्कोर 183 रन रहा, जो उन्होंने 1999 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। वह साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया। 2002 में लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन रोकेगा मैरिट सर्टिफिकेट फर्जीवाड़ा

- **अब जन्मतिथि और आधार नंबर जरूरी, माता-पिता का नाम भी करना होगा अंकित**

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। इस पर अब हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने सख्ती दिखाते हुए कदम उठाया है। संघ ने प्रदेश की सभी खेल एसोसिएशनों और जिला खेल अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी खिलाड़ी को खेल प्रमाण पत्र जारी करते समय उसकी जन्मतिथि और आधार कार्ड नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के माता-पिता का नाम भी प्रमाण पत्र में लिखा जाएगा। इतना ही नहीं, मैरिट में आने वाले खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र की सही तरीके से जांच की जाएगी और तभी उनका वितरण किया जाएगा। इस पहल के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों के रास्ते बंद हो जाएंगे और केवल असली खिलाड़ियों को ही इसका फायदा मिल सकेगा।

एक्ट्रेस ने सुनाया इनरवियर शॉपिंग किस्सा

मैं तो बदतमीज हूं

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अहसास चन्ना आज इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं. माय फ्रेंड गणेशा और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों से लेकर कोटा फैक्ट्री और गर्ल्स हॉस्टल जैसे वेब शोज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा जाता है. अहसास एक्टिंग के साथ-साथ अहसास अपनी बेबाक और बिंदास पर्सनैलिटी के लिए भी जानी जाती हैं.

हाल ही में उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में इनरवियर शॉपिंग से जुड़ा एक मजेदार और बोल्ड किस्सा शेयर किया, जो अब वायरल हो रहा है. हाल ही में अहसास चन्ना अपनी दोस्त रेवथी पिल्लई के साथ द गुड गर्ल शो में पहुंची थीं. शो के दौरान दोनों ने इनरवियर खरीदने को लेकर बात की. अहसास ने बताया कि उन्हें इन चीजों की शॉपिं करते वक्त कभी भी शर्म नहीं आई. उन्होंने हंसते हुए कहा, मुझे इनरवियर खरीदते वक्त कभी शर्म नहीं आती. मैं तो इतनी बदतमीज हूं कि मैं वहां पहनकर भी देखती हूं कि ये ठीक है न, अच्छी लग रही है न और फिर पूछती हूं कि इसको उतारते कैसे हैं?

अहसास को देखकर बदली रेवथी की सोच

अहसास की यह बात सुनकर रेवथी ने भी अपना एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने बताया कि पहले उन्हें ब्रा सेक्शन में जाने में बहुत शर्म आती थी, लेकिन अहसास के साथ शॉपिंग करने के बाद उनकी सोच बदल गई. रेवथी ने कहा, कोविड के बाद मैं अहसास के साथ शॉपिंग गई थी. जब वो ब्रा सेक्शन में गई तो मुझे बहुत शर्म आ रही थी. अहसास के लिए यह बहुत नॉर्मल था, फिर उसने मेरे लिए भी पूछा. इसके बाद मैं थोड़ी ओपन हुई कि ये कपड़े ही तो हैं, गलत तो कुछ कर नहीं रहे. बता दें कि, अहसास चन्ना पर्दे पर ही नहीं बल्कि, सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरों से फैंस के दिलों का करार लूटती रहती हैं. वह अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर भी खबरों में छाई रहती हैं.

फिल्म निर्माताओं पर भड़के अनुराग कश्यप

मोहित सूरी की तारीफ की

भारतीय सिनेमा में इन दिनों नया चलन चल गया है। वह है री-रिलीज का। पिछले कुछ वर्षों में जहां नई फिल्मों को दर्शकों को आकर्षित करने में संघर्ष करना पड़ा, वहीं पुरानी फिल्में दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में कामयाब रहीं। प्यासा और श्री 420 जैसी फिल्मों से लेकर करण अर्जुन और अंदाज अपना अपना जैसी 90 के दशक की फिल्मों को दोबारा रिलीज किया गया। इन फिल्मों को लोगों ने पसंद किया। इसी से प्रेरित होकर ये जवानी है दीवानी और सनम तेरी कसम जैसी फिल्में फिर से रिलीज की गईं। सोशल मीडिया पर लोगों का मानना है कि बॉलीवुड के पास अब नए विचार नहीं हैं।

निर्माताओं में दिक्कत है

हालांकि, फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की राय अलग है। एएनआई से बात करते हुए, फिल्म निर्माता ने बताया असली समस्या निर्माताओं के साथ है। लेखकों और निर्देशकों के पास ढेरों नए विचार होते हैं, लेकिन निर्माता ही हैं जो सिर्फ सुरक्षित प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहते हैं।

मोहित सूरी की तारीफ की

अनुराग कश्यप ने यह भी बताया कि कैसे बहुत कम फिल्म निर्माता अपनी कहानियों पर टिके रहते हैं। हाल ही में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म सैय्यारा का जिक्र करते हुए, फिल्म निर्माता ने मोहित सूरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कई निर्माताओं के मना करने के बाद भी उन्होंने अपनी फिल्म पर काम किया। अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत यह फिल्म हिट साबित हुई। उन्होंने आगे कहा अब इंडस्ट्री में हर कोई इस बदलाव को एक चलन के रूप में देखेगा। यह झुंड मानसिकता निर्माताओं में है। समस्या उन्हीं में है।

अनुराग कश्यप का काम

अनुराग कश्यप अपनी अगली फिल्म निशानची की तैयारी कर रहे हैं, जो 2000 के दशक के शुरुआती उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित एक क्राइम ड्रामा है। इस फिल्म में ऐश्वर्या ठाकरे दोहरी भूमिका में हैं। वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जन्नत जुबैर को वाकई डेट कर रहे एल्विश यादव?

एल्विश यादव का बर्थडे सेलिब्रेशन

अपने खास दिन पर एल्विश यादव ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह शानदार केक के साथ पोज देते दिखे, तो दूसरी में अपनी मां के साथ प्यार भरा पल बिताते नजर आए। दोस्तों के बीच हुई इस पार्टी में माहौल बेहद खुशनुमा रहा। एल्विश ने मजाकिया अंदाज में लिखा–हैप्पी बर्थडे टू मी। यह पोस्ट देखते ही फैंस और करीबी दोस्तों ने उन्हें इस खास दिन के लिए बधाइयां दीं।।

जन्नत जुबैर का स्पेशल मैसेज

सभी शुभकामनाओं के बीच सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं जन्नत जुबैर ने। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एल्विश को बर्थडे विश करते हुए लिखा–हैप्पी हैप्पी बर्थडे। खास बात यह रही कि जन्नत ने उनके साथ ली गई एक तस्वीर को क्रॉप कर साझा किया। इस पर एल्विश ने भी मजेदार अंदाज में सिर्फ हाथ मिलाने वाला इमोजी भेजा।

एल्विश यादव के जन्मदिन के मौके पर उनकी दोस्त जन्नत जुबैर ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसके बाद दोनों को एक बार फिर साथ में जोड़े जाने लगा। पॉपुलर यूट्यूबर एल्विश यादव आज यानी 14 सितंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस और चाहने वाले उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच करीबी दोस्त जन्नत जुबैर ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। जन्नत की बर्थडे विश के बाद एक बार फिर से दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं।

कार्तिक-अनन्या की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' की नई रिलीज डेट का हुआ एलान

इस साल का आखिरी दिन मूवी लवर्स के लिए खास रहने वाला है। वजह है कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...', जिसकी रिलीज डेट अब प्रीपोन हो गई है। जहां पहले फिल्म 13 फरवरी 2026 यानी वेलेंटाइन डे पर आने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे 31 दिसंबर 2025 को रिलीज करने का फैसला किया है। यानी इस फिल्म को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

कार्तिक और अनन्या ने फैंस के साथ पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि साल का आखिरी दिन हमारे साथ बिताइए, क्योंकि हमारी फिल्म नए साल से ठीक पहले सिनेमाघरों में आ रही है। साल खत्म होगा लेकिन प्यार की नई शुरुआत होगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की रैप पार्टी की एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह और अनन्या पांडे साथ नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग कई खूबसूरत जगहों पर हुई है। एक ओर यूरोप का लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन क्रोएशिया, वहीं दूसरी ओर भारत का ऐतिहासिक और रंगीन राज्य राजस्थान- दोनों जगहों की झलक दर्शकों को इस फिल्म में देखने को मिलेगी। ट्रेलर और तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कहानी में रोमांस, कॉमेडी और इमोशन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

टैलेंट की कद्र न होने पर बुरा लगता है

डांसर के रूप में वाहवाही बटोरने वाले शांतनु माहेश्वरी अब बतौर ऐक्टर भी लोगों का दिल जीत रहे हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था जैसी फिल्मों के बाद अब वह फिल्म लव इन वियतनाम में लीड भूमिका निभा रहे हैं। शांतनु के मुताबिक, डांस की वजह से उन्हें ऐक्टर बनने में काफी मदद मिली, क्योंकि हर डांसर में एक ऐक्टर होता ही है।

डांस में भी ऐक्टिंग होती ही है

इन दिनों शांतनु की तरह डांसर रहे राघव जुयाल भी ऐक्टर के रूप में धमाल मचा रहे हैं। ज्यादातर डांसर्स के ऐक्टिंग की ओर रुख करने को लेकर शातनु का कहना है, अगर आप डांसर हैं, तो ऐक्टिंग खुद-ब-खुद आ जाती है। डांस में भी मुद्राएं होती हैं, आपको आंखों से भाव दिखाने होते हैं। आप सिर्फ स्टेप्स करके अच्छे डांसर नहीं बन सकते। आप अच्छे डांसर तभी होते हैं, जब उन भावों को भी दिखाते हैं। डांस आपको रिद्म सिखाता है, जो ऐक्टिंग में भी काम आता है। इसलिए, मेरा मानना है कि डांस से ऐक्टिंग में मदद मिलती है। बाकी, जरूरी नहीं कि हर डांसर आगे ऐक्टर ही बने, यह सबकी अपनी-अपनी चॉइस है।

दिलफेंक आशिक पहले भी होते थे

गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था के बाद शांतनु लव इन वियतनाम में भी एक जुनूनी आशिक की भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन आज के घोस्टिंग, बेंचिंग वाले दौर में वह इस शिद्दत वाले प्यार से कितना रिलेट करते हैं? इस पर वह कहते हैं, ये चीजें पहले भी हुआ करती थीं, बस ये शब्द नहीं गढ़े गए थे। वरना दिलफेंक आशिक पहले भी घूमते थे। कैसानोवा पहले भी होते थे। बेंचिंग का कॉन्सेप्ट पहले भी था, बस ये शब्द नहीं बने थे। अब इनका इस्तेमाल ज्यादा होने लगा है। हालांकि, मैं तो शिद्दत वाले प्यार में यकीन करता हूं। फिल्म में शांतनु के साथ सोशल मीडिया स्टार अवनीत कौर भी हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। इस बारे में शांतनु का कहना है, कभी-कभी इस बात का बुरा लगता है, पर जो चीज चल रही है, उससे आपको समझौता करना पड़ेगा। आपके या मेरे बोलने से कुछ होने नहीं वाला है। मार्केट में अगर यह चल रहा है तो आप इस पर काम करिए या इसे स्वीकार लीजिए। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हर कोई इसी आधार पर कास्टिंग कर रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर अगर आपके सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं तो बहुत बड़ा प्लस पाइंट है। मान लीजिए, जैसे दो टैलंटेड ऐक्टर हैं, उसमें जिसके फॉलोअर्स ज्यादा होंगे, उसे वरीयता मिलेगी क्योंकि वह एक सोशल मीडिया फैक्टर लेकर आएगा। इसे मैं सही या गलत नहीं बोलूंगा लेकिन इससे डील करना पड़ेगा।

राज सर बोले आज को इंजॉय करो

फिल्म में राज बब्बर जैसे सीनियर अभिनेता के साथ काम के अनुभव पर शांतनु ने बताया, मेरी राज बब्बर सर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बिल्कुल बिना किसी फिल्टर के मुझे अपनी जिंदगी के अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने बड़े पते की बात ये कही कि अभी जिस पल में हो उसे एंजॉय करो, क्योंकि हम ऐक्टर्स की जिंदगी इतनी अनिश्चित होती है कि किसी को नहीं पता कि ये वक्त फिर आएगा या नहीं। कभी हर कोई आपके साथ काम करना चाहेगा, तो कभी कोई पानी भी नहीं पूछेगा तो अभी जो है, उसका पूरा लुत्फ लो।